॥ओ३म्॥

युवा निर्माण

आर्य समाज के संस्थापक
महर्षि दयानन्द सरस्वती

आर्य वीर दल, दिल्ली प्रदेश का मासिक मुखपत्र
(सार्वदेशिक आर्य वीर दल की एक इकाई)

युवकों का होता जहाँ चरित्र निर्माण, आर्य वीर दल है उसका नाम

वर्ष- 1, अंक- 3
माह- अप्रैल, 2017

सृष्टि संवत्- 1,96,08,53,118
विक्रमी संवत्- 2074
दयानन्दाब्द- 194

प्रति शुल्क- 15/-
वार्षिक शुल्क- 150/-

वार्षिक विवरण विशेषांक

आर्य वीर दल, दिल्ली प्रदेश का सातवाँ वार्षिक अधिवेशन वर्ष-2015-16

स्थान- आर्य समाज, मोती नगर, एफ-ब्लॉक, दिल्ली-15,

दिनांक-30/04/2017, समय-प्रातः 10:30 से 1:00 बजे तक

आप सभी सादर आमन्त्रित हैं। अधिवेशन के उपरान्त भोजन की व्यवस्था समाज की ओर से रखी गई है।

(वार्षिक विवरण-2015-16 पृष्ठ सं. 3 से 15 तक)

(सार्वदेशिक आर्य वीर दल की प्रान्तीय इकाई)

आर्य वीर दल, दिल्ली प्रदेश के इतिहास में

प्रथम बार 1000 आर्यवीरों का (ग्रीष्मकालीन 11 दिवसीय आवासीय)

चरित्र निर्माण एवं आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर

स्थानः- डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल, राजेन्द्र नगर, साहिबाबाद, गाजियाबाद

दिनांकः- बृहस्पतिवार 1 जून से रविवार 11 जून 2017 तक

उद्घाटनः- 1 जून, वीरवार सायं 4 बजे | **समापनः- 11 जून, रविवार सायं 4 बजे**

शिविर सान्निध्य
श्री सुरेश चन्द्र अग्रवाल
(प्रधान, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा)

शिविराध्यक्ष
पद्मश्री पूनम सूरी
(प्रधान, आ.प्रा.प्र.सभा/डी.ए.वी. कॉलेज प्रबंधकर्त्री समिति)

मार्गदर्शक
स्वामी देवव्रत सरस्वती
(प्रधान सेनापति, सार्वदेशिक आर्य वीर दल)

(शिविर का पूर्ण विवरण पृष्ठ सं 2 पर देखें)

आर्य वीरांगना दल, दिल्ली प्रदेश

(आर्य वीर दल, दिल्ली प्रदेश के अन्तर्गत)

के तत्त्वावधान में

विशाल चरित्र निर्माण एवं आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर

स्थानः- डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल, श्रेष्ठ विहार, दिल्ली-110092

दिनांकः- रविवार 21 मई से रविवार 28 मई 2017 तक

उद्घाटनः- 21 मई, रविवार सायं 4 बजे | **समापनः- 28 मई, रविवार सायं 4 बजे**

(शिविर का पूर्ण विवरण पृष्ठ सं 19 पर देखें)

॥ राष्ट्र की एकता व अखण्डता के लिए जातिवाद, प्रान्तवाद, भाषावाद का त्याग करें ॥

आर्य वीर दल, दिल्ली प्रदेश द्वारा 1000 आर्यवीरों का..................

बन्धुओं! आपको विदित है कि आर्य वीर दल, दिल्ली प्रदेश प्रतिवर्ष शिविरों के माध्यम से युवाओं के बौद्धिक, शारीरिक, सामाजिक, व्यक्तित्त्व व आत्मिक उन्नति को विकसित करने के लिये उच्च स्तरीय शिक्षकों व विद्वानों के द्वारा सफल प्रशिक्षण देता है। आप सभी से अनुरोध है कि अपने मित्रों व परिवारों के बच्चों को इस शिविर में भेज कर उनके व्यक्तित्त्व का निर्माण कर समाज व राष्ट्र को समृद्ध बनाने में सहयोगी बनेंगे।

★ शिविर के मुख्य आकर्षण ★

आत्मिक उन्नति
सन्ध्या, यज्ञ, ध्यान, योगासन एवं प्राणायाम, प्रातः 4 बजे से रात्रि 10 बजे तक व्यवस्थित व अनुशासित दिनचर्या

शारीरिक उन्नति
सर्वांग सुन्दर व्यायाम, सूर्य नमस्कार, भूमि, नमस्कार, दण्ड-बैठक, कराटे, आत्मरक्षा, शूल, निशानेबाजी, राष्ट्र स्तरीय खेल- रॉकबॉल, स्टैंडिंग खो-खो,स्लीमबाम, टांगसूडो का अभ्यास, कमांडो ट्रेनिंग का प्राथमिक अभ्यास

व्यक्तित्त्व उन्नति
काउंसलिंग विषय- प्रबुद्ध व्यक्तियों द्वारा शिक्षा क्षेत्र, आर्ष पद्धति हिन्दी/संस्कृत, बैंकिंग, कम्प्यूटर क्षेत्र, मकैनिकल, मार्केटिंग&सेल्समैन, फौज की भर्ती, सी.ए., स्किल डेवलपमेंट, सम्पूर्ण व्यक्तित्व विकास

सामाजिक उन्नति
विभिन्न सेवा प्रकल्पों का क्रियात्मक अभ्यास, सामाजिक व्यवस्था पर आत्मचिन्तन, राष्ट्र उन्नति में हमारी भूमिका

शिविरार्थियों हेतु निर्देश:- 1. शिविरार्थियों की आयु 14 वर्ष से अधिक हो। 2. शिविर शुल्क 500/- रुपये प्रति शिविरार्थी होगा एवं दो पासपोर्ट साईज फोटो साथ लाएं। 3. शिविरार्थी अपने साथ कोई कीमती सामान न लाएं। जैसे- मोबाईल, घड़ी, चेन, ईयरफोन, आईपैड आदि। 4. शिविरार्थी भोजन के लिए थाली, गिलास, चम्मच, कटोरी, ऋतु अनुकूल बिस्तर साथ लाएं। 5. शिविर गणवेश- खाकी निक्कर, सफेद शैंडो बनियान, सफेद पी.टी. जूते, सफेद जुराब, लंगोट एवं टॉर्च साथ लाएं। 6. सभी शिविरार्थी 1 जून प्रातः 11 बजे तक शिविर स्थल अवश्य पहुंचे। 7. सभी शिविरार्थियों का शिविर की दिनचर्या एवं अनुशासन में रहना आवश्यक है। 8. बीमार व आरामपसन्द विद्यार्थी शिविर में भाग न लेवें। 9. आवश्यकतानुसार यदि आप कोई विशेष दवाई लेते हैं तो साथ लावें। 10. शिविरार्थी अपने साथ लाए अधिकतम रुपये शिविर बैंक में जमा करावे जो कि यह जमा राशि शिविर समापन पर ही वापिस दी जाएगी।

शिविर में शिविरार्थी बनने हेतु ऑनलाइन www.aryaveerdal.org पर 25 मई 2017 तक रजिस्ट्रेशन करें

★ अपील ★

यह युवा निर्माण का बृहद् यज्ञ आपके सहयोग से ही सफल हो सकता है। इस यज्ञ में अधिक से अधिक आर्थिक सहयोग देकर पुण्य के भागी बनें व राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका को निश्चित करें। आप अपनी सहयोग राशि आर्य वीर दल दिल्ली प्रदेश के नाम नकद, ड्राफ्ट/चैक द्वारा दल के बैंक खाता- कार्पोरेशन बैंक, खाता सं.-210600101005031, IFSC-CORP0002106, ब्रांच-वसुन्धरा, गाजियाबाद के नाम से दल के मुख्य कार्यालय आर्य समाज मिण्टो रोड, डी.डी.यू. मार्ग, नई दिल्ली-02 पर प्रेषित कर सकते हैं।

दल को दी गई दानराशि आयकर की धारा 80जी के अन्तर्गत कर मुक्त है।

निवेदक

जगवीर आर्य संचालक 9810264634	**सुन्दर आर्य** सहसंचालक 9899008054	**बृहस्पति आर्य** महामन्त्री 9990232164	**जितेन्द्र भाटिया** कोषाध्यक्ष 9811322155	**धर्मपाल आर्य** प्रधान दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा	**विनय आर्य** महामन्त्री	**देवेन्द्र पाल वर्मा** प्रधान उ.प्र.आर्य प्रतिनिधि सभा

रोहताश आर्य उपसंचालक 9891361321	**वीरेश आर्य** उपसंचालक 9868776103	**जगवीर आर्य** उपसंचालक 9211380022	**राजेश आर्य** लेखानिरीक्षक 9990995500	**संजय आर्य** संगठन मन्त्री 9212323255	**पवन आर्य** व्यवस्था मन्त्री 9911689450	**रमेश आर्य** संयुक्त प्रभार (उपसंचालक) 9650455497	**दिनेश आर्य** प्रधान शिक्षक 9810754638

प्रमुख शिक्षक वर्ग:-सर्वश्री धर्मवीर आर्य-9811227215 (उपप्रधान शिक्षक, दिल्ली), **वरिष्ठ व्यायाम शिक्षक**-श्री कृष्णपाल आर्य व मास्टर समर सिंह आर्य, सुरेश आर्य, अमर आर्य, प्रेम आर्य, लक्ष्य आर्य, सत्यम् आर्य, संजय आर्य, सुशील आर्य, करण आर्य, मोहित आर्य, रवि आर्य, आशीष आर्य, राजकिशोर आर्य, हरिओम् आर्य, श्याम आर्य, संदीप आर्य, कनिष्क आर्य, सोनू आर्य, अक्षित आर्य, सुमित आर्य, विनीत आर्य, सूरज आर्य, विजय आर्य। **सेवाध्यक्ष- जयकिशन गुलिया व सहयोगी सतीश आर्य (सागरपुर), महेन्द्र आर्य (घेवरा)।**

मुख्य कार्यालय:- आर्य समाज मिण्टो रोड, दीनदयाल उपाध्याय मार्ग, नई दिल्ली-110002
E-mail-aryaveerdaldelhipradesh@gmail.com www.aryaveerdal.org

प्राणों से प्यारा देश

प्राणों से प्यारा देश हमारा मिटने न देंगे तेरी शान रे॥
गोदी में तेरी जन्म लिया है, तू ही पिता तू ही माता,
इससे बढ़कर हो सकता है, और किसी से क्या नाता।
क्यों नहीं तन-मन तुझपर वारे, हम हैं तेरी संतान रे॥
इसी आंगन में राम भी खेले, कृष्ण ने गीता सुनाई,
गौतम और नानक ने यहीं पर, ज्ञान की राह दिखाई।
तेरे ही घर में वेद ग्रन्थ है, और गीता का ज्ञान रे॥
हरे रहें तेरे बाग बगीचे, खिलती रहे तेरी कलियाँ,
बहती रहे तेरी गंगा यमुना, बसती रहे तेरी गलियाँ।
आन न देंगे आंच तेरे पे, दे देंगे अपनी जान रे॥
तेरी झोली में सुमन बनके, देव दयानन्द आया,
कर वेद प्रचार जगत् में, सोतो को है जगाया।
लगाया नारा स्वराज का वो, 'चित्रकार' महान् रे॥

रोहताश आर्य (उपसंचालक, आ.वी.द.दि.प्र.)

॥ओ३म्॥

आर्य वीर दल दिल्ली प्रदेश (पंजी०) का

(सार्वदेशिक आर्य वीर दल की ईकाई)

वार्षिक विवरण–2015–16

संगठन उद्देश्य

संस्कृति रक्षा शक्ति संचय सेवा कार्य

स्वामी देवव्रत सरस्वती

प्रधान सेनापति (संचालक), सार्वदेशिक आर्य वीर दल

निवेदक

जगवीर आर्य संचालक

बृहस्पति आर्य महामन्त्री

जितेन्द्र भाटिया कोषाध्यक्ष

मुख्य कार्यालय :

आर्य समाज, मिण्टो रोड़, (नजदीक रणजीत सिंह फ्लाईओवर), डी०डी०यू० मार्ग, नई दिल्ली–2

उपकार्यालयः– आर्य समाज, 17 ब्लॉक, मोती नगर, नई दिल्ली–110015

आर्य समाज, प्रीत विहार, दिल्ली

आर्य समाज बिड़ला लाईन, कमला नगर, दिल्ली–110007

E-mail-aryaveerdaldelhipradesh@gmail.com www.aryaveerdal.org

प्रिय आर्य वीरों एवं आर्य महानुभावों!

सादर नमस्ते!

सार्वदेशिक आर्य वीर दल के आदेशन, निर्देशन व मार्गदर्शन के अन्तर्गत आर्य वीर दल दिल्ली प्रदेश (पंजी०) कार्य करता है। सार्वदेशिक सभा का युवाओं में कार्य करने हेतु यह वैधानिक संगठन है जोकि दिल्ली में विभिन्न आर्य समाजों व पार्कों में दैनिक, साप्ताहिक, पाक्षिक व मासिक शाखाओं के सफल संचालन के साथ–साथ विभिन्न सामाजिक, राष्ट्रोत्थान व मानव सेवा के कार्यों को व्यवस्थित व उत्साहपूर्वक करता है।

दल द्वारा सातवाँ वार्षिक विवरण वर्ष 2015–16 में किये गए कार्यो तथा गतिविधियों का विवरण प्रस्तुत करते हुए हमें अपार हर्ष हो रहा है। गत वर्ष में दल के सभी शिक्षकों, अधिकारियों, कार्यकर्त्ताओं, व्यवस्थापकों, सदस्यों एवं आर्य वीरों व वीरांगना दल के समस्त अधिकारीगण के सहयोग से जो भी कार्य हुए हैं, उन सभी संगठन विस्तार के कार्यों से आप समय–समय पर भलीभांति परिचित हुए हैं। दिल्ली प्रदेश के कार्यों का संगठनात्मक इतिहास सुरक्षित रहे, इस हेतु इस प्रकार के वार्षिक विवरण प्रस्तुति का कार्य निरन्तर संचालित रहना चाहिए।

दल द्वारा आयोजित सभी कार्यक्रमों के आयोजनों में आप सभी सदस्यों का आर्यसमाजों व दानी महानुभावों का पूर्ण सहयोग व आशीर्वाद दल के अधिकारियों को प्राप्त हुआ एवं आप सभी ने समय–समय पर दल की बैठकों में पहुँचकर अपने अमूल्य विचारों एवं सुझावों से दल का मार्ग प्रशस्त किया है। इस हेतु आप सभी का हृदय से आभार प्रकट करता हूँ।

दल के समस्त अधिकारियों एवं कार्यकर्त्ताओं के सहयोग से संगठन ने जिन कार्यो को गत वर्ष में किया है, निश्चित ही भविष्य में आप सभी के सहयोग से वर्तमान में संचालित कार्यों के अलावा और कई योजनाओं पर कार्यों को कर, संगठन समाज में उच्च स्थान प्राप्त करेगा एवं संगठन की शाखाओं के माध्यम से वैदिक विचारधारा को और अधिक गति से फैलाने का कार्य करेगा।

मैं इस वार्षिक अधिवेशन में भाग लेने आए सभी बन्धुओं का हृदय से अभिनन्दन करता हूँ।

गत वार्षिक विवरण 2013–15 की संक्षिप्त रिपोर्ट

आर्य वीर दल दिल्ली प्रदेश (पंजी०) का छठा वार्षिक अधिवेशन दिनांक 19/04/2015, रविवार को आर्य समाज, पूर्वी पंजाबी बाग में प्रातः 11 बजे दिल्ली की समस्त शाखाओं के प्रमुखों

व विभिन्न आर्य समाजों के सदस्यों की उपस्थिति में दल के संचालक श्री जगवीर आर्य जी के अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। बैठक वैदिक राष्ट्रीय प्रार्थना से प्रारम्भ हुआ।

विनम्र श्रद्धाँजलि

सर्वप्रथम गत 2 वर्षों में जो आर्य बन्धु हम सभी के बीच नहीं रहे, उन सभी दिवंगत आत्माओं की शान्ति हेतु संगठन द्वारा 2 मिनट का मौन रखकर विनम्र श्रद्धाँजलि अर्पित की गई। इसके उपरान्त **बैठक ने वर्ष 2013-15 तक का वार्षिक विवरण व आय-व्यय विवरण को ओ३म् ध्वनि से स्वीकृत किया।**

बैठक में दल के महामन्त्री श्री बृहस्पति आर्य द्वारा वर्ष 2013-15 का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया गया तथा आय-व्यय विवरण दल के कोषाध्यक्ष श्री जितेन्द्र भाटिया द्वारा प्रस्तुत किया गया। साथ ही आर्य वीर दल दिल्ली प्रदेश के अन्तर्गत महिलाओ में कार्य करने हेतु आर्य वीरांगना दल दिल्ली प्रदेश का वार्षिक विवरण सहसंचालिका श्रीमती स्नेह भाटिया द्वारा प्रस्तुत किया गया। पूरे विवरण को सुनने के उपरान्त बैठक ने वर्ष 2013-15 के वार्षिक विवरण को ध्वनि मत से स्वीकृत किया। बैठक में उपस्थित मुख्य रूप से आचार्य आनन्द जी एवं पंजाबी बाग के अधिकारियों द्वारा दल से प्रकाशित वार्षिक विवरण की प्रशंसा व दल को आशीर्वाद और शुभकामनायें प्रदान कीं, जिसका दल ने हृदय से आभार प्रकट किया।

आर्य वीर दल क्या है? (एक विचार)

यहाँ यह बताना आवश्यक है कि आर्य वीर दल को कोई वालिन्टियर समझता है, कोई मात्र सैनिक संगठन समझता है, कोई राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रतिक्रिया समझता है, कोई इसे लाठीबाज, तलवारबाज, पहलवानी करने वालों की टोली या कोई इसे आर्य समाज का एक अनावश्यक अंग समझता है, कोई इसे पूर्णत: स्वतंत्र संगठन। वास्तव में दल के बारे में ये सभी धारणायें पूर्णत: ठीक नहीं हैं व भ्रान्ति पूर्ण हैं।

जबकि आर्य वीर दल एक साधन है जिसके द्वारा नवयुवक-नवयुवतियों को महर्षि दयानन्द सरस्वती द्वारा प्रतिपादित आर्य संस्कृति के आधार पर शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक व समाजिक उन्नति कर युवाओं को चरित्रवान्, आदर्श नागरिक, राष्ट्रभक्त, ईश्वर भक्त बनाना है ताकि वे स्वयं सुखी रहते हुये संसार के समस्त प्राणियों को सुखी बना सकें। मनुष्य इस सृष्टि का मूल आधार है, जिसके बनने-बिगड़ने पर समूचे मानव समाज का बनना-बिगड़ना निर्भर करता है। अत: संसार के कल्याण के लिए समस्त मनुष्यों का निर्माण कर मानवीय गुणों का विकास करते हुए, समाजिक संरचना के तन्त्र के माध्यम से **"कृण्वन्तो विश्वमार्यम् व वसुधैव कुटुम्बकम्"** को सार्थक करना आर्य वीर दल का एक मात्र लक्ष्य है।

मनुष्य के संस्कारों की मजबूत नींव बचपन में ही पड़ जाती है (उसके रहन-सहन, खान-पान, शिक्षण, खेल-कूद, पारिवारिक व मित्रों की परिस्थितियों के अनुसार) इसलिए आर्य वीर दल इस उम्र से बच्चों व युवाओं में शारीरिक, बौद्धिक, चारित्रिक तथा सामाजिक विकास के माध्यम से निर्माण का कार्य करता है। इन्हीं विषयों को दल के अन्दर महत्व दिया जाता है। अपने लक्ष्य की प्राप्ति के निमित्त आर्य वीर दल ने सैनिक संगठन के अनुशासन, सतत् क्रियाशील कर्त्तव्यपरायणता अनुसार द्वारा शाखा, सेवा, शिक्षण, संपर्क, सहयोग, साधना, व्यायाम, संध्या, यज्ञ तथा सत्संग को अपना साधन बनाया है। देशानुसार, स्थानानुसार, परिस्थितियों की भिन्नता के अनुसार लक्ष्य प्राप्ति के स्वरूप भिन्न-भिन्न हो सकते हैं। इसलिए आओ आर्य वीर दल को मजबूत कर समाज, राष्ट्र व विश्व का योग्य निर्माण करें।

वार्षिक विवरण वर्ष 2015-16

1. शाखाओं का विस्तार कार्य:-

सम्पूर्ण दिल्ली व एनसीआर में आर्य वीर दल दिल्ली प्रदेश के माध्यम से शाखाओं की ईकाइयाँ निम्न स्थानों पर पिछले गत वर्षों में समय-समय पर संचालित रही हैं। **पूर्वी दिल्ली** क्षेत्र में प्रीत विहार, शकरपुर, लक्ष्मी नगर, कृष्णा नगर, मण्डावली, यमुना विहार, खजुरी खास, ब्रह्मपुरी, मौजपुर, शाहदरा, लोनी (गाजियाबाद), **पश्चिमी दिल्ली** क्षेत्र में विकासपुरी, मोहन गार्डन, जनकपुरी सी-3, जनकपुरी ए-ब्लॉक, जनकपुरी बी-1, सागरपुर, नांगलराय, बिंदापुर, **मध्य दिल्ली** क्षेत्र में कीर्ति नगर, पंजाबी बाग, मोती नगर, **उत्तरी दिल्ली** क्षेत्र में रानी बाग, ऋषि नगर, मंगोलपुरी, पुष्पांजलि, त्रीनगर, सन्देश विहार, सरस्वती विहार, रोहिणी, जहांगीरपुरी, आदर्श नगर, बिड़ला लाइन्स, **दक्षिणी दिल्ली** क्षेत्र में गोविन्द पुरी, महरौली, **बाहरी दिल्ली** क्षेत्र में राठधना, सोनीपत, राई, स्वरूप नगर, नरेला, रामा विहार, सुखवीर नगर, उत्सव विहार, नजफगढ़, घेवरा, बवाना आदि विभिन्न स्थानों पर लगती रही हैं तथा उपरोक्त स्थानों के सदस्य संगठन, स्थानीय आर्य समाजों व सभाओं के कार्यक्रमों को अपनी सेवाओं के माध्यम से सफल करते आए हैं। इन पर सभी आर्य जनता को गर्व है।

2. प्रान्तीय शिविर 2015 का संक्षप्ति विवरण:-

दल ने इस वर्ष का शिविर ब्रह्मचारी राजसिंह आर्य जी को समर्पित किया। सार्वदेशिक आर्य वीर दल द्वारा निर्दिष्ट आर्य वीर श्रेणी के पाठ्यक्रम में प्रशिक्षण दिया जाता है। श्री जगवीर आर्य, संचालक आर्य वीर दल, दिल्ली प्रदेश के नेतृत्व में इस वर्ष यह शिविर 22 मई से 31 मई 2015 को दरबारी लाल डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल, शालीमार बाग में आयोजित किया गया। इन शिविरों के माध्यम से युवाओं एवं बालकों को शारीरिक, आत्मिक, मानसिक रूप से सक्षम एवं चरित्रवान बनाकर उन्हें वैदिक संस्कारों में ओत-प्रोत करना दल का प्रथम उद्देश्य रहता है। इसी को ध्यान में रखते हुए दल द्वारा शारीरिक एवं चारित्रिक निर्माण हेतु पूर्णकालिक 10 दिवसीय आवासीय शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में 300 युवकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस शिविर के माध्यम से

युवा अपने जीवन को प्रातः 4 बजे से रात्रि 10 बजे तक की समयबद्ध दिनचर्या एवं सुयोग्य शिक्षकों के अन्वेक्षण एवं मार्गदर्शन में रहकर आर्य वीर विभिन्न विद्याओं को सीखकर आत्मसात् करते हैं। जहाँ शारीरिक कलाओं में सर्वांग सुन्दर व्यायाम, योगासन, प्राणायाम, कराटे, दण्ड बैठक, लाठी, तलवार, सैनिक शिक्षा आदि का प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं वहीं दूसरी ओर यज्ञ, सन्ध्या, भजनों, देशभक्ति गीतों व विभिन्न विषयों पर वैदिक विद्वानों द्वारा प्रवचनों व व्यक्तित्त्व विकास के विषयों को आत्मसात् करते हैं। जिससे युवा अपनी आत्मिक उन्नति कर सकें। इस शिविर में प्रतिदिन **यज्ञ के ब्रह्मा** के रूप में आचार्य हरिप्रसाद जी की ने अपनी सेवायें दीं तथा सर्वश्री आचार्य हरिप्रसाद, आचार्य आनन्द, डॉ. विजय भूषण, सुरेन्द्र रैली, विनय आर्य, वेदप्रकाश आर्य (रोहतक), आचार्य ऋषिदेव, बृजेश आर्य, सुन्दर आर्य, रोहताश आर्य एवं बृहस्पति आर्य, दिनेश आर्य द्वारा **बौद्धिक** सत्रों को लिया गया। **व्यवस्था** के रूप में श्री जयकिशन गुलिया, महेन्द्र आर्य, पवन आर्य, राघव आर्य, **पंजीकरण** हेतु सोनू आर्य, संदीप आर्य, **चिकित्सा** हेतु रामप्रकाश झा, **कार्यकर्त्ता** हर्ष आर्य, तेजवीर आर्य, प्रिन्स आर्य, दीपक आर्य व टीम, **शिक्षक** दिनेश आर्य, धर्मवीर आर्य, सुरेश आर्य, अमर आर्य, प्रेम आर्य, लक्ष्य आर्य, सुशील आर्य इत्यादि व **दान एकत्रीकरण** हेतु जितेन्द्र भाटिया, पवन आर्य, राजेश आर्य, संजय आर्य, अनुराग आर्य, यश आर्य आदि कार्यकत्ताओं एवं अधिकारियों ने शिविर को सफल बनाने के लिये अपने पूर्ण पुरुषार्थ से कार्य किया। शिविर में 29 मई को सभी आर्य वीरों का यज्ञोपवीत संस्कार किया गया व यज्ञब्रह्मा के माध्यम से यज्ञोपवीत का वैदिक अर्थ समझाते हुए सभी आर्य वीरों से प्रतिज्ञा कराई गई। शिविर का उद्घाटन 24 मई व समापन 31 मई को किया गया। शिविर के उद्घाटन एवं समापन समारोह में विभिन्न अतिथि उपस्थित रहे। **अतिथियों** में मुख्य रूप से स्वामी प्रणवानन्द जी, स्वामी विदेह योगी जी, आचार्य ऋषिपाल जी, श्री राकेश ग्रोवर जी, श्री धर्मपाल आर्य, श्री प्रेम अरोड़ा (एम.डी.एच.), ठाकुर विक्रम सिंह जी, ज्ञानचन्द गोयल जी, बलदेव राज सेठ जी, विजय वर्मा जी, सारस्वत मोहन मनीषी जी, विनय आर्य जी, सुरेन्द्र रैली जी, सुरेन्द्र आर्य जी, शिवकुमार मदान जी, संजय सोनी जी, देवेन्द्र जावा जी, क्रान्ति आर्य जी, सुरेन्द्र कोचर जी, योगेश आर्य, वीरांगना दल से श्रीमती शारदा आर्या, ब्रह्मचारिणी सुमेधा आर्या, स्नेह भाटिया, अमृता आर्या, सुनीति जावा आदि विभिन्न अतिथियों ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम में भव्य व्यायाम प्रदर्शन, परेड संचलन, आसन, स्तूप मलखम, कमांडो ट्रेनिंग आदि को भव्यता से प्रदर्शित किया गया तथा पूर्वी दिल्ली की प्रीत विहार शाखा के माध्यम से नाटिका व व्यायाम प्रदर्शन प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने के लिये विभिन्न आर्य समाजों के अधिकारी, आर्य जन एवं आर्य वीरों के परिवारों के अभिभावक उपस्थित थे। सभी ने कार्यक्रम की भूरि-भूरि प्रशंसा की एवं अन्त में दल की तरफ आए हुए सभी अतिथियों का धन्यवाद किया गया तथा दल की तरफ से सभी के लिये ऋषिलंगर की सुन्दर व्यवस्था की गई व कार्यक्रम का मंच संचालन बृहस्पति आर्य एवं सुन्दर आर्य द्वारा किया गया।

3. राष्ट्र के बलिदानियों को नमनः-

दल द्वारा राष्ट्र के बलिदानियों को श्रद्धासुमन अर्पित करने के लिए **"एक शाम बलिदानियों के नाम"** व डॉ० ए.पी.जे. अब्दुल कलाम जी (पूर्व राष्ट्रपति) को श्रद्धाञ्जलि देने हेतु कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस वर्ष सभी के सुझाव से यह कार्यक्रम इण्डिया गेट के उद्यान में करने की योजना बनाई गई। जिसके अन्तर्गत **15 अगस्त 2015** को देशभक्ति के गीतों एवं कविताओं का कार्यक्रम **इण्डिया गेट** पर किया गया। ईश्वर का विशेष आशीर्वाद वर्षा के रूप में दल को प्राप्त हुआ। इस आशीर्वाद का सम्मान करते हुए कार्यक्रम में उपस्थित दल के सभी सदस्यों ने वर्षा में ही कार्यक्रम को सुचारू रूप से संचालित किया। इस कार्यक्रम को आम आदमी ने बहुत पसन्द किया। कार्यक्रम में दल की ओर से मुख्य रूप से सुन्दर आर्य, बृहस्पति आर्य, सोनू आर्य, राघव आर्य, रामप्रकाश झा, दिनेश आर्य, संजय आर्य, लक्ष्य आर्य, विकासपुरी शाखा की वीरांगनायें, जनकपुरी, रामा विहार व प्रीत विहार के आर्यवीरों ने विशेष रूप से भाग लिया।

4. खेल प्रतियोगिताः-

नवम्बर माह में विकासपुरी क्षेत्र में कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 10 टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता की व्यवस्था श्री सुन्दर आर्य, राघव आर्य, रामप्रकाश झा, दिनेश आर्य, सुरेश आर्य, धर्मवीर आर्य, संजय आर्य, लक्ष्य आर्य, आलम आर्य एवं सहयोगियों द्वारा की गई। प्रतियोगिता के समापन पर श्री जगवीर आर्य, श्री बृहस्पति आर्य, ब्र० संदीप आर्य, श्री रमेश आर्य उपस्थित रहे व विजेता टीमों को पुरस्कृत किया गया। प्रतियोगिता को सफल करने हेतु विकासपुरी क्षेत्र के युवकों का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ।

5. वीर पर्वों का आयोजनः-

प्रतिवर्ष दशहरा की छुट्टियों में सभी शाखायें अपनी शाखा की उन्नति व युवाओं को जोड़ने के लिए वीर पर्व का आयोजन करती हैं। जिसमें क्षेत्रीय आर्यसमाजों को आमंत्रित किया जाता है। इसी दिन ये शाखायें अपनी-अपनी शाखाओं में गीतों, भाषणों व इतिहास से जुड़ें हुए विषयों पर अपने विचार रखती हैं, साथ ही शाखा में आने वाले सभी युवक राष्ट्र को अपनी निःस्वार्थ भाव से सेवा देने के लिए संकल्प लेते हैं।

कुछ शाखायें यह पर्व अधिकतम संख्या दिवस के रूप में भी आयोजित करती हैं। जिसके अन्दर शाखायें प्रयास करती हैं कि आज तक अपनी शाखा में जितने भी पुराने युवक आए हैं, उनको आज के दिन आमंत्रित कर संगठन शक्ति से पुनः जोड़ते हुए समाज कल्याण में सहयोग करें। इन कार्यक्रमों में संगठन के प्रमुख अधिकारी अलग-अलग क्षेत्रों में सम्मिलित होते हैं व विभिन्न समाजों के

अधिकारी भी आशीर्वाद देने के लिए पहुँचते हैं। कुछ शाखायें इस दिन अपनी शाखा में आर्यवीरों से वीर राशि भी एकत्र कर अपनी शाखा को गति देने में उपयोग करते हैं।

6. आर्य वीर दल के कार्यालय का पूर्व का निर्माण व वर्त्तमान का नवीनीकरणः-

संगठन के कार्यों को निरन्तर व्यवस्थित रूप से चलाने के लिए 28/08/06 से 30/09/06 वर्ष 2006 में कार्यालय के निर्माण के ऊपर रुपये 45,567 का आर्य वीर दल दिल्ली प्रदेश द्वारा व्यय किया गया व अनुमानतः बारह हजार रुपये का बिल्डिंग मटिरियल दान स्वरूप प्राप्त हुआ। जिसमें कार्यालय हेतु एक कक्ष, आचार्य भद्रकाम जी हेतु एक कक्ष व रसोई और सामान्य यज्ञशाला व ईंटों का खड़ंजा तैयार किया गया। संगठन के माध्यम से इस एक कक्ष के कार्यालय में येन-केन-प्रकारेण संगठन का कार्य जैसे-तैसे चलता रहा। समय बीतते अनुसार यह कमरा काफी जीर्ण-शीर्ण स्थिति में पहुँच गया तथा तत्कालीन अधिकारियों ने कार्यालय के नवीनीकरण पर विचार किया, जिसकी तैयारियों हेतु गत 6-7 वर्षों से कई बार बैठकों में चर्चा हुई। परिणामस्वरूप हर बार आर्यसमाज मिण्टो रोड पर स्थित दल के मुख्य कार्यालय को नवीनीकरण कर संगठन के कार्यों को कार्यालय के माध्यम से सुचारू रूप से चलाने का निर्णय किया जाता रहा। कार्यालय बनाने के सन्दर्भ में दल के अधिकारियों द्वारा लगातार 6-7 वर्षों से कार्यालय के नवीनीकरण को सम्पन्न करने के प्रयास किये जा रहे थे। इस विषय के अन्तर्गत पूर्व में स्व० कैप्टन श्री देवरत्न आर्य (प्रधान, सा.आ.प्र.सभा), श्री आनन्द आर्य (कार्यकारी प्रधान, सा.आ.प्र.सभा) व स्व० ब्रह्मचारी राजसिंह आर्य (प्रधान, दि. आ.प्र.सभा) व स्व० आचार्य बलदेव जी (प्रधान, सा.आ.प्र.सभा), श्री प्रकाश आर्य (महू) (मन्त्री, सा.आ.प्र.सभा), श्री धर्मपाल आर्य (प्रधान, दि.आ.प्र.सभा), श्री विनय आर्य (मन्त्री, दि.आ.प्र.सभा) एवं स्वामी आर्यवेश जी से कार्यालय निर्माण पर चर्चा की और वर्तमान में कार्यालय के निर्माण की आवश्यकता को बताया व सभी ने निर्माण करने हेतु सहजभाव से स्वीकृति दी। इस आधार पर दल के सभी अधिकारियों, सदस्यों एवं कार्यकर्त्ताओं के समर्थन व अथक सहयोग से 25 सितम्बर 2015 को कार्यालय के नवीनीकरण के कार्यों को प्रारम्भ किया गया। कार्यालय के नवीनीकरण का कार्य 10 जनवरी 2016 के आसपास सम्पन्न हुआ। इस निर्माण कार्य की व्यवस्था में प्रतिदिन सुबह 9-10 बजे से लेकर शाम 5 बजे तक लगभग लगातार 4 माह की देखरेख में सर्वश्री बृहस्पति आर्य, सुरेश आर्य, लक्ष्य आर्य व संजय आर्य द्वारा संचालित किया गया। इस कार्य में विभिन्न शाखाओं का कार्यालय निर्माण हेतु श्रम दान संगठन को निरन्तर प्राप्त हुआ। नवनीकरण के कार्यों में दल का लगभग सवा छः लाख रुपये से अधिक का व्यय हुआ।

वर्तमान नवीनीकरण हेतु 2 नई ऑफिस टेबल, 1 पुरानी ऑफिस टेबल, 8 नई ऑफिस कुर्सियाँ, 6 पुरानी ऑफिस कुर्सियाँ, फाइलों हेतु 2 नई दीवार पर लगने वाली अलमारियाँ, लोहे के 3 नये डबल डेकर बेड, 8 गद्दे, 2 कम्प्यूटर, 1 लकड़ी का साधारण सिंगल पलंग, 1 नया एसी, 5 नये पंखें (इसमें 3 दान में व 2 खरीदे गए), 1 नया गैस चूल्हा, 1 नया पानी RO संजय आर्य द्वारा (कीमत का आधा 5000 रुपये संजय आर्य से दान में सहयोग प्राप्त हुआ), 1 पुराना डबल डोर फ्रिज 365 लीटर, प्रथम चरण का स्टेशनरी का लगभग रुपये 5900 का सामान आदि उपरोक्त सामान विभिन्न दानी महानुभावों द्वारा संगठन को प्रोत्साहन हेतु दान दिया गया। स्व० ब्रह्मचारी राजसिंह आर्य जी द्वारा 2 वर्ष पहले संगठन के कार्यालय हेतु पतीलों, रैक आदि के लिए कुछ सहयोग प्राप्त कराया गया था, जिसके माध्यम से संगठन ने छोटे व मध्यम 10 पतीले, 2 स्टील रैक, 1 स्टील टेबल, 1 स्टील अंडर काउंटर अलमारी व रसोई का छोटा-बड़ा विभिन्न प्रकार का सामान बाजार से खरीदा गया। दल द्वारा वर्ष 2014 में कार्यालय हेतु 1 नया HP प्रिण्टर खरीदा गया, 3 नई हीरो होंडा बाईक वर्ष 2009 में प्राप्त की गई, जिसमें से 1 वर्ष 2015 में चोरी हो गई और 1 नई हीरो बाईक 125 सीसी वर्ष जून 2016 में प्राप्त की गई, कुल 3 बाईक वर्तमान में संगठन के पास दानस्वरूप प्राप्त है। कार्यालय के निर्माण में संगठन सदस्यों द्वारा सहयोग राशि व सामान प्राप्त हुआ, जोकि इस प्रकार है- श्री जगवीर आर्य जी-11000/-, श्री रोहताश आर्य-11111/-, श्री जितेन्द्र भाटिया-11000/-, श्री जयकिशन गुलिया-11111/-, श्री गिरीश ग्रोवर-11000/-, श्री विनय दत्ता 11000/-, श्री वीरेश आर्य-11211/-, श्री मनोज आर्य-(बिजली का सारा सामान जो आपकी दुकान से आया लगभग-22000/-), श्री बृजपाल आर्य-तीन डबर डेकर बेड जो कि 6 बेड बनते हैं, लागत 45000/-, श्री राजेश आर्य-5100/-, श्री रजत आर्य-500/-, श्री अनील आर्य 11000/-, श्री दिनेश आर्य-5100/-, श्री सुरेश आर्य-5100/- (प्रतिमाह अपनी दक्षिणा में 500/- रुपये घटा करके 5100/- रुपये की राशि पूरी कर रहे हैं), श्री मनीष आर्य 11000/- इत्यादि।

7. संगठन हेतु संपत्ति क्रय निवेशः-

संगठन के भविष्य को दृष्टिगत रखते हुए संगठन के अधिकारियों ने आपसी चर्चा व विचार-विमर्श करते हुए वर्ष 2013 व वर्ष 2014 में दो संपत्तियों का क्रय किया। (1) 100 गज का एक प्लॉट बहादुरगढ़ में व सिद्धार्थ विहार योजना गाजियाबाद में एक छोटा फ्लैट द्वितीय मंजिल पर लिया गया। (फ्लैट की अभी पूरी धनराशि जानी शेष है) दोनों संपत्तियाँ दल के नाम से ली गई हैं।

8. संगठन को 80जी की सुविधा प्राप्तः-

संगठन को आर्थिक रूप से मजबूत व सशक्त करने के लिए हमेशा संगठन का प्रत्येक सदस्य बहुत प्रयास करता है। जो कि अब संगठन को 80जी सुविधा प्राप्त हो गई है, इससे वर्तमान में आर्थिक सहयोग दानस्वरूप संगठन के लिए संग्रह करना सरल हुआ है।

विशेष- सार्वदेशिक आर्य वीर दल के अन्तर्गत जिस प्रकार

विधिवत् सभी प्रान्तों के आर्य वीर दल की स्थापना होकर (स्थापना काल से लेकर वर्त्तमान तक) कार्य कर रही हैं, उसी प्रकार आर्य वीर दल दिल्ली प्रदेश (पंजी०) सार्वदेशिक आर्य वीर दल के अन्तर्गत कार्य करता है।

9. संगठन द्वारा शिक्षकों व कम्प्यूटर ऑपरेटर की नियुक्तिः-

संगठन की गतिविधियों को सुचारू रूप से चलाने के लिए व शाखाओं में शिक्षण की सही प्रकार की व्यवस्था हेतु तीन दक्षिणा प्राप्त शिक्षक व एक कम्प्यूटर ऑपरेटर वैतनिक कार्य कर रहे हैं।

10. संगठन द्वारा दी जाने वाली ब्र. राजसिंह आर्य छात्रवृत्तिः-

आर्य वीर दल की शाखाओं में मध्यम व निम्न परिवारों के अधिकांश बच्चे व युवक प्रतिदिन की शाखा में भाग लेते हैं। इसमें से बहुत ऐसे बच्चे होते हैं जो संगठन, आर्यसमाज व शाखा की गतिविधियों में बढ़चढ़ करके भाग लेते हैं और अपनी स्कूली पढ़ाई में भी होशियार होते हैं परन्तु घर की कठिन आर्थिक स्थितियों के कारण पढ़ाई का खर्च वहन करने में असमर्थ होते हैं। ऐसे में संगठन क्षेत्रीय अधिकारियों के सहयोग से योग्य बच्चों व युवकों को संगठन की ओर से छात्रवृत्ति हेतु मासिक सहयोग देता है।

11. प्राकृतिक आपदाओं में राहत कार्यः-

आर्य वीर दल के स्थापना काल से लेकर वर्त्तमान तक 87 वर्षो का इतिहास इस बात का गवाह रहा है कि जब-जब भारत में कोई भी प्राकृतिक आपदा आई है, उस समय में आर्य वीर दल दिल्ली प्रदेश के अधिकारियों, कार्यकर्त्ताओं व आर्य वीरों ने निःस्वार्थ भाव से आपदाग्रस्त क्षेत्र में जाकर महीनों तक मानव सेवा का कार्य कर, आपदा क्षेत्र में स्थानीय लोगों के साथ मिलकर आपदा क्षेत्र के विकास का कार्य किया है। उसमें रहने हेतु टीन शेड, भोजन सामग्री, दवाईयाँ, कपड़ों का वितरण व शुद्ध जल के पैकेट, आजीविका चलाने हेतु स्टोव व गैस चूल्हों का वितरण, आपदा में मृत्यु प्राप्त करने वाले नागरिकों का वैदिक रीति से अंतिम संस्कार आदि विभिन्न प्रकार की व्यवस्था आर्यसमाजों व आर्य वीर दल के प्रयासों से आपदाग्रस्त नागरिकों को जीवन-यापन हेतु सुविधायें दी जाती हैं।

12. ऋषि बोध व निर्वाणोत्सवः-

प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष 2015-16 में आर्य केन्द्रीय सभा, दिल्ली राज्य की ओर से रामलीला मैदान, नई दिल्ली में ऋषि बोध व निर्वाणोत्सव का आयोजन किया गया। इन दोनों समारोहों में दल के अधिकारियों, शिक्षकों व 100 से अधिक कार्यकर्त्ता व आर्य वीरों ने उत्साहपूर्वक कार्यक्रम में भाग लिया व कार्यक्रम की विभिन्न प्रकार के व्यवस्थाओं को सुनियोजित तरीके से संभाला। जैसे- ध्वजारोहण, मैदान सज्जा, यज्ञ व्यवस्था, प्रसाद वितरण व भोजन वितरण इत्यादि। इस कार्यक्रम के माध्यम से आह्वान किया जाता है कि महर्षि दयानन्द सरस्वती के मानवहित, राष्ट्रहित, वैदिक संस्कृति के हित में किये गये कार्यों को याद करते हुए उनके बताये मार्ग पर चलने का संकल्प लेवें व अन्त में महान् संन्यासी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की जाती है।

13. स्वामी श्रद्धानन्द बलिदान दिवसः-

प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष 2015 में आर्य केन्द्रीय सभा, दिल्ली राज्य द्वारा आयोजित स्वामी श्रद्धानन्द बलिदान दिवस 25 दिसम्बर को नया बाजार स्वामी श्रद्धानन्द भवन (जहाँ स्वामी जी की हत्या हुई थी) से लेकर रामलीला मैदान तक स्वामी जी की याद में शोभायात्रा निकाली गई। इस शोभायात्रा में लगभग 5 हजार से अधिक आर्यों ने भाग लिया है। इतने बड़े कार्यक्रम व शोभायात्रा को आर्य वीर दल के अधिकारियों व कार्यकर्त्ताओं ने आधुनिक यंत्रों के माध्यम से सुनियोजित व अनुशासित रूप से चलाने में महत्वपूर्ण योगदान करते हैं। सभा के माध्यम से श्री अरुण प्रकाश वर्मा जी को शोभा नियंत्रक के रूप में सहयोग लिया जाता है। इस व्यवस्था में दल के लगभग 25 अधिकारी व 60 से अधिक कार्यकर्त्ता सहयोग करते हैं। साथ ही शोभायात्रा के सुरक्षा का कार्य भी करते हैं। दल की ओर से लगने वाली सभी शाखायें इस शोभायात्रा में स्वामी जी को श्रद्धांजलि देने के लिए पूरे उत्साह के साथ सम्मिलित होती हैं। लगभग 1250 युवक व 150 से अधिक विरांगनाएं अपना शानदार उत्साहपूर्वक, अनुशासित, व्यायाम प्रदर्शन, मार्चिंग, शोभायात्रा के अन्त में सफाई व्यवस्था आदि व स्वामी जी के जीवन से जुड़ी झाँकियाँ, पर्यावरण शुद्धि को प्रोत्साहित करने हेतु प्रीतविहार शाखा द्वारा 200 आर्य वीरों के माध्यम से अपने जीवन में साईकल के उपयोग को प्राथतिकता का प्रदर्शन किया। रामलीला मैदान में भोजन वितरण करने का सेवा कार्य भी उत्साह पूर्वक किया जाता है। मंच की सुरक्षा के लिए भी आर्य वीर उपस्थित रहते हैं।

14. वार्षिक भ्रमण व महू (म.प्र.) प्रान्तीय समारोह में सम्मिलितः-

संगठन द्वारा प्रतिवर्ष आर्य वीरों के उत्साहवर्द्धन, एकरूपता, एक विचारधारा व संगठनात्मक दृढ़ता हेतु भ्रमण के कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष...

1. हरिद्वार भ्रमण- इस वर्ष ग्रीष्मकालीन भ्रमण शिविर गुरुकुल कांगड़ी, हरिद्वार में 15 जून से 19 जून 2015 तक आयोजित किया गया। इस शिविर में विशेष रूप से उन आर्य वीरों को ले जाया गया जो अपने क्षेत्र में नई शाखाओं को स्थापित करने की इच्छा रखते हैं या नई शाखाओं का संचालन कर रहे हैं। यह शिविर दल के संचालक श्री जगवीर आर्य जी के अध्यक्षता में आयोजित किया गया। सहयोगी के रूप में बृहस्पति आर्य, लक्ष्य आर्य, कर्ण आर्य आदि रहे। इस शिविर में एक दिन आर्य वीरों को स्वामी श्रद्धानन्द जी द्वारा स्थापित पुराना गुरुकुल (पुण्यभूमि) में भी ले जाया गया। इस शिविर में बौद्धिक चर्चायें, शाखा को लगाने का तरीका, कमांड देने का तरीका आदि विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। शिविर में रहने व भोजन की व्यवस्था गुरुकुल कांगड़ी की ओर से की गई। इसके लिए हम गुरुकुल के अधिकारियों का हृदय से आभार प्रकट करते हैं।

2. गुरुकुल कुरुक्षेत्र भ्रमण– इस वर्ष यह भ्रमण गुरुकुल कुरुक्षेत्र में शीतकालीन अवकाश 26 दिसम्बर से 29 दिसम्बर 2015 के बीच में आयोजित किया गया। जिसमें लगभग संगठन के विभिन्न शाखाओं के लगभग 20 सदस्यों ने भाग लिया। यह भ्रमण राघव आर्य, मधुर आर्य, संदीप आर्य आदि के निर्देशन में आयोजित किया गया। भ्रमण के दौरान रहने व भोजन की व्यवस्था गुरुकुल कुरुक्षेत्र की ओर से की गई। इसके लिए दल गुरुकुल कुरुक्षेत्र के सभी अधिकारियों व शिक्षकों का हृदय से आभार प्रकट करता है।

3. महू– सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के यशस्वी महामन्त्री श्री प्रकाश आर्य जी के संयोजन में प्रति दो वर्ष में महू (मध्य प्रदेश) में गायत्री महायज्ञ दिसम्बर माह में रखा जाता है। इस वर्ष आपकी ओर से दल के प्रमुख अधिकारियों को आमन्त्रित किया गया। आपके आमन्त्रण को स्वीकार करते हुए दल की ओर से सर्वश्री बृहस्पति आर्य, जितेन्द्र भाटिया, जगवीर आर्य द्वारका, राजेश आर्य– प्रतिनिधि के रूप में आर्य वीर दल, दिल्ली प्रदेश की तरफ से कार्यक्रम में 27–28 दिसम्बर 2015 को सम्मिलित हुए। कार्यक्रम की भव्यता दर्शनीय थी। जमीन से ढाई फीट ऊपर व 45x45 की यज्ञशाला, जो घास–फूस, बांस–बल्ली से तैयार की गई, जिसका बैठने का स्थल गाय की गोबर से लेपन किया गया था और यज्ञशाला के ऊपर ओ३म् ध्वज लगा हुआ था। कार्यक्रम में प्रतिदिन सुबह–दोपहर–शाम की संख्या 800–1000 से अधिक होती थी। जिसमें से 85 प्रतिशत जनता गैर आर्यसमाजी होती थी। कार्यक्रम के बहुत से रोचक जानकारियाँ है जिसका सभी का यहाँ वर्णन करना संभव नहीं है। निश्चित ही इस प्रकार के कार्यक्रम पूरे भारत में किये जाने चाहिये। संगठन, सभा महामन्त्री श्री प्रकाश आर्य जी का विशेष रूप से धन्यवाद प्रकट करता है कि उन्होंने इस कार्यक्रम में संगठन के अधिकारियों को आमन्त्रित किया।

4. विशेष कर्त्तव्य– संगठन के लिए अपने–अपने स्तर पर सभी व्यक्ति अपना समय, शक्ति, सोच व धन व्यय करते हैं। परन्तु इनमें से कुछ व्यक्ति अतिरिक्त सहयोग कर संगठन को गति प्रदान कर विशेष व्यक्तियों में अपने आपको अंकित करा लेते हैं। यहाँ यह इसलिए लिख रहा हूँ कि बहुत से लोग अपनी संस्था या संगठन के कार्यों को बढ़ाने के लिए संस्था की ही धनराशि अपने ऊपर व्यय करते हैं। दल को गर्व है कि आर्य वीर दल, दिल्ली प्रदेश के समस्त अधिकारी संगठन के कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए स्वयं का समय व धन व्यय कर दल को गति दे रहे हैं। जिसका एक ज्वलन्त उदाहरण है कि जब दल के अधिकारियों को यह जानकारी हुई कि अमेरिका के माननीय श्री गिरीश खोसला जी दल को पचास हजार रुपये का सहयोग करना चाहते हैं और इसके लिए आप दल के कुछ अधिकारियों को अहमदाबाद (गुजरात) बुला रहे हैं तो तत्काल दल के चार अधिकारी सर्वश्री जितेन्द्र भाटिया, राजेश आर्य, जगवीर आर्य व मनीष आर्य अपनी गाड़ी लेकर व्यक्तिगत चौदह हजार रुपये का पेट्रोल आदि अन्य व्यय कर दल के लिए अहमदाबाद से इक्यावन हजार रुपये लेकर आए। ऐसा उदाहरण आपको आर्य वीर दल दिल्ली प्रदेश के अन्यत्र कहीं नहीं मिलेगा।

14. शाखा निरीक्षण कार्यक्रम:–

सभी शाखाओं का समय–समय पर विभिन्न अधिकारियों, प्रतिष्ठित व्यक्तियों, आर्य विद्वानों, दानी सज्जनों द्वारा निरीक्षण कराया जाता है। जिसमें शाखा की वर्त्तमान स्थिति तथा उसके विकास कार्यों पर विशेष चर्चा की जाती है।

15. आर्य वीर दल का 87वाँ स्थापना दिवस व गणतन्त्र दिवस समारोह:–

आर्य वीर दल दिल्ली प्रदेश व आर्यसमाज प्रीत विहार के संयुक्त तत्त्वावधान में आर्य वीर दल का 87वाँ स्थापना दिवस व गणतन्त्र दिवस समारोह के साथ में यह शाम आर्य वीर दल के लिए आजीवन समर्पित ब्रह्मचारी राजसिंह जी के नाम की गई। कार्यक्रम 26 जनवरी 2015 को भारती पब्लिक स्कूल, स्वास्थय विहार, नजदीक–निर्माण विहार मेट्रो स्टेशन में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में दिल्ली प्रदेश की समस्त शाखाओं से लगभग 1300 आर्य वीरों व 200 वीरांगनाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में लगभग 1500 आर्यजन अतिथि उपस्थित थे। कार्यक्रम में ध्वजारोहण हेतु राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे को ठाकुर विक्रम सिंह जी (प्रसिद्ध समाजसेवी) व आर्य वीर दल के ध्वज को महाशय धर्मपाल जी (एम.डी.एच.) द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में स्वामी प्रणवानन्द जी, श्री करण सिंह तंवर जी (वाइस चेयरमैन एन.डी.एम.सी.), डी.ए.वी. के प्रधान माननीय श्री पूनम सूरी जी के सुपुत्र– श्री योगी सूरी जी, श्री धर्मपाल आर्य जी, आचार्य ऋषिपाल जी, श्री विजय वर्मा जी सपरिवार (ब्रह्मचारी राजसिंह आर्य जी के भाई), श्री सुरेन्द्र रैली, श्री प्रवीण भाटिया, आचार्य नन्दकिशोर आर्य व संजीव आर्य (कुरुक्षेत्र), श्री बलदेव राज सेठ, श्री रविदेव गुप्ता, श्री हरिसिंह आर्य, मास्टर कृष्णपाल, श्री बृजेश आर्य, श्री ऋषिराज वर्मा, श्री सुनहरी लाल आर्य, श्री विनय आर्य, श्रीमती उषा किरण कथूरिया आदि उपस्थित रहे एवं दिल्ली की विभिन्न आर्यसमाजों से आए अधिकारीगण एवं सदस्य दल का उत्साहवर्धन एवं आशीर्वाद देने हेतु उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन आचार्य यशपाल शास्त्री एवं श्री सुन्दर आर्य द्वारा किया गया। कार्यक्रम में आर्य वीरों द्वारा रंगारंग कार्यक्रम एवं आर्यसमाज प्रीत विहार द्वारा संचालित मनुर्भव के बच्चों द्वारा सुन्दर प्रस्तुतियाँ मंच से प्रस्तुत की गईं। कार्यक्रम को सफल बनाने में आर्य वीर दल पूर्वी दिल्ली, व्यायाम शिक्षक प्रेम आर्य व प्रीत विहार शाखा के आर्य वीरों का व्यवस्थाओं हेतु अभूतपूर्व सहयोग प्राप्त हुआ। **विशेष:– इस कार्यक्रम में आर्य वीर दल दिल्ली प्रदेश का आठ पृष्ठ का 4 कलर में संक्षिप्त विवरण प्रकाशित कर मंच से सभी प्रमुख अतिथियों द्वारा विमोचन किया गया।**

16. माननीय प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का डी.ए.वी. द्वारा आयोजित 'नई दिशा, नया संकल्प' कार्यक्रम जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित:– आर्यसमाज के लिए यह गर्व का

विषय था कि **डी.ए.वी. मैनेजिंग कमेटी एवं प्रतिनिधि सभा के यशस्वी प्रधान मननीय श्री पूनम सूरी जी के द्वारा आयोजित 'नई दिशा, नया संकल्प'** का कार्यक्रम जो कि जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में **14 फरवरी 2016** को आयोजित किया गया था, **इसमें भारत के माननीय प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल माननीय आचार्य देवव्रत जी कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे।** इससे पूर्व इतिहास में एक बार 1983 में महर्षि दयानन्द सरस्वती जी के निर्वाण शताब्दी, जोकि अजमेर में आयोजित की गई थी, उस समय की तत्कालीन प्रधानमन्त्री माननीया श्रीमती इन्दिरा गांधी आर्यसमाज के कार्यक्रम में उपस्थित होकर लगभग आधे घण्टे का अपना वक्तव्य व श्रद्धासुमन महर्षि स्वामी दयानन्द सरस्वती जी के चरणों में समर्पित किया था। उसके बाद यह दूसरा अवसर है कि वर्त्तमान प्रधानमन्त्री आर्यसमाज द्वारा आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित हुए एवं लगभग 45 मिनट के अपने वक्तव्य में आर्यसमाज के इतिहास को नमन करते हुए प्रत्येक आर्य का धन्यवाद किया, जो इस राष्ट्र के निर्माण में अग्रणी बनकर सेवा दे रहे हैं। **इस कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु डी.ए.वी. प्रबन्धकर्त्री समिति के यशस्वी प्रधान माननीय श्री पूनम सूरी जी द्वारा आर्य वीर दल को अपनी सेवायें देने के लिए आमन्त्रित किया, आपके आग्रह को आर्य वीर दल ने सहर्ष स्वीकार किया।** इस कार्यक्रम में दल की ओर से **225 अधिकारियों, कार्यकर्त्ताओं एवं आर्य वीरों** ने आर्य जनता को कार्यक्रम में व्यवस्थित रूप से बैठाने एवं उचित मार्गदर्शन के माध्यम से अपनी उच्च स्तरीय सेवायें प्रदान करी। कार्यक्रम में चलीस हजार से अधिक स्कूली बच्चों, अभिभावकों एवं आर्य जनता उपस्थित थी।

इस कार्यक्रम की तैयारी के लिए दल के सभी सदस्य 13 फरवरी 2016 को सायं 4 बजे तक कार्यक्रम स्थल पर पहुँच गये थे। डी.ए.वी. के अधिकारियों के माध्यम से कार्यक्रम की व्यवस्थाओं को समझकर, स्टेडियम के नजदीक आर्यसमाज डिफेंस कॉलोनी में रात्रिभोजन, शयन व प्रात:कालीन प्रात:राश की व्यवस्था माननीय श्री अजय सहगल जी द्वारा करवाई गई। 14 फरवरी 2016 की प्रात: सभी कार्यकर्त्ता प्रात: 7.30 बजे कार्यक्रम की व्यवस्थाओं हेतु जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम पहुँचे। **आर्यसमाज डिफेंस कॉलोनी के समस्त अधिकारियों विशेष रूप से माननीय श्री अजय सहगल जी एवं समाज के सेवकों का दल हृदय से आभार व धन्यवाद प्रकट करता है,** जिन्होंने भोजन व रात्रि शयन की समस्त व्यवस्थाओं को बहुत ही सुन्दर प्रकार से कर आर्य वीरों का उत्साहवर्द्धन किया। आर्य वीर दल के अन्दर इस कार्यक्रम की तैयारी हेतु दिनेश आर्य, सुरेश आर्य, प्रेम आर्य, लक्ष्य आर्य, कर्ण आर्य आदि सभी शिक्षकों एवं क्षेत्रीय समस्त अधिकारियों व कार्यकर्त्ताओं और प्रमुख अधिकारियों का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। इस कार्य में डी.ए.वी. द्वारा व्यवस्था हेतु विशेष परिधान दल के सभी सदस्यों को दिया गया।

17. विशेष बौद्धिक सत्र "मनुर्भव":-

आर्यसमाज प्रीत विहार के यशस्वी प्रधान श्री सुरेन्द्र रैली जी के माध्यम से आर्य वीर दल हेतु एक विशेष बौद्धिक सत्र "मनुर्भव" का आयोजन दिनांक 6-7 फरवरी 2016 को किया गया। इस सत्र की विशेषता थी कि आर्य वीर अपने दिन के 24 घण्टे किस प्रकार से व्यवस्थित करें। इस सत्र का दल के लगभग 35 सदस्यों ने लाभ उठाया। सत्र के दौरान भोजन एवं एक दिन की रहने की सुन्दर व्यवस्था आर्यसमाज प्रीत विहार द्वारा की गई। सत्र के अन्त में सभी को "मनुर्भव" की ओर से प्रमाण-पत्र दिया गया। इस विशेष सत्र के लिए आर्य वीर दल दिल्ली प्रदेश आर्यसमाज प्रीत विहार व श्री सुरेन्द्र रैली जी का हृदय से आभार प्रकट करता है।

18. सफाई अभियान:-

देश के प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के माध्यम से राष्ट्र को स्वच्छ एवं सुन्दर बनाने की गंभीरता को देखते हुए दल की प्रत्येक शाखा इस अभियान में अपनी शाखा की ओर से अपने क्षेत्र में निरंतर सफाई अभियान चला रही है। जिसमें क्षेत्र में रहने वाली आम जनता दल के इस कार्यों में सहयोग करते हुए उत्साहवर्द्धन कर रही हैं

19. आपदा राहत वाहन:-

जय भारत मारूति लिमिटेड द्वारा दिल्ली सभा से दल को मारूति एम्बुलेंस राहत कार्य हेतु जो दी गई है, वो आर्य समाज मिण्टो रोड पर तैनात है। समय-समय पर इसको राहत कार्य के दौरान उपयोग में लिया जाता है। इसके लिए जय भारत मारूति लिमिटेड का दल हृदय से धन्यवाद प्रकट करता है।

नोट:- इस आपदा वाहन का दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के नाम से रजिस्ट्रेशन है। वर्ष 2009 से वर्तमान तक इस एंबुलेंस का फिटनेस पास नहीं हुआ है। जिसके विषय में दिल्ली सभा के महामन्त्री को दल के संचालक श्री जगवीर आर्य द्वारा दो-तीन बार पूर्व में अवगत कराया गया है।

20. गणवेश विभाग:-

दिल्ली प्रदेश द्वारा स्थापित गणवेश विभाग सुचारू रूप से कार्य कर रहा है। इस विभाग को स्थापित करने का उद्देश्य प्रदेश एवं राष्ट्रीय स्तर पर दल का गणवेश उपलब्ध कराना है, जिससे सभी प्रान्तों में एकरूपता, गुणवत्ता को सुनिश्चित किया जा सके। इस विभाग से हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, आन्ध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश आदि प्रान्त आवश्यकता अनुसार समय-समय पर पूर्ण लाभ उठा रहे हैं।

21. अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस:-

योगगुरु स्वामी रामदेव एवं भारत के माननीय प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के अथक प्रयासों के माध्यम से वर्ष 2015 से 21 जून को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर "योग दिवस" के रूप में स्थापित करते हुए मनाने का आयोजन किया जाता है। इस दिवस के माध्यम से आर्य वीर दल की कई शाखायें अपने क्षेत्र की आर्यसमाजों के साथ मिलकर प्रात:काल अपनी आर्यसमाज, क्षेत्रीय पार्कों व मैदानों में योग

व योगासनों की महत्ता का मानव जीवन के निर्माण में क्या योगदान हो सकता है, इसके लाभों को आम जनता में अवगत कराते हुए योग दिवस को सफलतापूर्वक मनाती हैं।

22. वेबसाइट व आधुनिक संचार साधनों का प्रचार कार्य में सहयोगः- आर्य वीर दल दिल्ली प्रदेश अपने ऑफिसियल नेटवर्क, वेबसाइट, ईमेल, फेसबुक, वाट्सऐप आदि के माध्यम से पूरी दुनिया में प्रचार व सूचना देने के कार्य का प्रयास कर रहा है। इससे संगठन को बहुत गति प्रदान होगी। वेबसाइट का नाम- www.aryaveerdal.org है।

नोटः- वर्त्तमान में दल की वेबसाइट सुचारू रूप से नियमित कार्य करे, इस पर कार्य चल रहा है। इसको सुचारू रूप से चलाने हेतु आप सभी के लिखित सुझाव आमन्त्रित हैं।

23. दल के उपकार्यालयों का विवरणः-

आर्य वीर दल दिल्ल प्रदेश के विस्तृत कार्यों को देखते हुए वर्त्तमान में दल का आर्य समाज मिण्टो रोड के मुख्य कार्यालय के अन्तर्गत उपकार्यालय के रूप में आर्यसमाज मोती नगर एफ-ब्लॉक, आर्यसमाज प्रीत विहार एवं आर्य वीरांगना दल दिल्ली प्रदेश का मुख्य कार्यालय आर्यसमाज बिड़ला लाइन्स में उपरोक्त तीनों समाजों के अधिकारियों की स्वीकृति से स्थापित हैं। उपरोक्त तीनों समाजों के अधिकारियों का संगठन हृदय से आभार प्रकट करता है।

24. मासिक व प्रान्तीय बैठकः-

दल की गतिविधियाँ निरन्तर चलती रहे और इन चलने वाले निरन्तर कार्यों में आने वाली दिक्कतों का समाधान, व्यवस्था के अनुसार सतत् होता रहे, इस हेतु यह बैठकें की जाती हैं। इन बैठकों में समय-समय पर छोटी से छोटी व बड़ी से बड़ी योजनाओं पर गंभीरतापूर्वक विचार-मंथन किया जाता है। विचार-मंथन के उपरान्त उस योजना को क्रियान्वित करने के लिए सभी शाखाओं को निर्देश दिया जाता है। यह बैठकें दल के मुख्य कार्यालय व विभिन्न आर्य समाजों में समय-समय पर आयोजित की जाती हैं। गत वर्ष में यह बैठकें क्रमशः- दिनांक 19/04/15, 10/05/15, 02/08/15, 01/11/15, 20/12/15, 10/01/16, 20/03/16 में आयोजित की गईं। जिन बैठकों का आयोजन आर्यसमाजों में किया गया, वहाँ पर समाज की ओर से जलपान एवं भोजन की व्यवस्था दी गई। दल की बैठकों के आयोजन हेतु सहयोगी सभी आर्यसमाजों का हम हृदय से आभार प्रकट करते हैं, जिन्होंने संगठन के कार्यों को गति प्रदान करने में हमारा सहयोग दिया।

25. होली मंगल मिलन समारोह (दिल्ली सभा द्वारा आयोजित):- 23 मार्च 2016 को दिल्ली सभा द्वारा होली मंगल समारोह का आयोजन रघुमल आर्य कन्या विद्यालय, राजा बाजार, कनॉट प्लेस में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में दल की विभिन्न शाखायें जैसे- कीर्ति नगर, विकासपुरी, त्रीनगर, जनकपुरी आदि ने भोजन वितरण, जलपान वितरण आदि की व्यवस्थाओं को व्यवस्थित रूप से संचालित किया। इस कार्य में लगभग 60-70 आर्य वीरों ने पूर्ण निष्ठा, गम्भीरता व प्रेमपूर्वक अनुशासित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मंच से प्रीत विहार व कीर्ति नगर की शाखा ने बहुत सुन्दर नाटिकायें प्रस्तुत कीं, जिसे सभी उपस्थित जनसमूह ने सराहा व आर्य वीरों का उत्साहवर्धन कर आशीर्वाद प्रदान किया।

26. आर्य वीर दल हेतु दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा में स्थिर निधिः-

आर्य वीर दल की गतिविधियों को दृष्टिगत रखते हुए तीन स्थिर निधियाँ, दानी महानुभावों द्वारा दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा में स्थापित की है, जोकि निम्न प्रकार से है-

1. श्री लालचन्द पहलवान एवं श्रीमती सरस्वती देवी निधि- श्री मांगेराम आर्य जी ने **पाँच हजार रुपये** की धनराशि देकर इस निधि की स्थापना की।

2. श्रीमती कृष्णा देवी एवं श्री प्रीतम दास रसवंत निधि- श्री प्रीतम दास रसवंत जी ने आर्य वीर दल के लिए **पाँच हजार रुपये** की धनराशि देकर निधि स्थापित की।

3. स्वर्गीय गोविन्दराम जी एवं माता भ्रांवा बाई- के नाम से आर्य वीर दल के लिए **पाँच-पाँच हजार रुपये** की निधि फरवरी 1993 में स्थापित की गई।

इस प्रकार उपरोक्त तीनों निधियों द्वारा कुल **बीस हजार रुपये** की स्थिर निधि स्थापित की गई। इन निधियों के द्वारा बैंक से जो ब्याज प्राप्त होगा, वह आर्य वीर दल के कार्यों व युवाओं को पुरस्कार देने में व्यय किया जाएगा। वर्त्तमान में यह निधि ब्याज सहित आज तक बैंक में कितनी हुई है और सभा द्वारा यह ब्याज की राशि आर्य वीर दल के कार्यों में किस-किस मद व्यय की गई, इसकी सभी जानकारी सभा के पास है।

27. साहस व समर्पण के साथ राष्ट्रविरोधी गतिविधियों के विरुद्ध प्रदर्शनः-

1. दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा द्वारा 28 फरवरी 2016 को (जे.एन.यू. में 9 फरवरी 2016 को जो राष्ट्रविरोधी कार्य हुआ, उसके विरोध में) दिल्ली के 10 स्थानों पर एक साथ प्रातः 10 बजे विरोध प्रदर्शन किया। इस कार्य में दल की लगभग सभी शाखाओं ने बहुत उत्साह से अपनी-अपनी क्षेत्र की आर्यसमाजों के साथ मिलकर विरोध प्रदर्शन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस प्रदर्शन में दल के समस्त प्रान्तीय व क्षेत्रीय अधिकारी एवं कार्यकर्त्ताओं ने भाग लिया।

2. सात आर्यवीरों पर अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेल-2012 में सेवायें देने के दौरान हुआ क्रिमिनल केस- अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेल-2012 आप सभी को भलीभांति स्मरण होगा, जिसको सफल कराने में आर्य वीर दल, दिल्ली प्रदेश के सैकड़ों आर्यवीरों के साथ-साथ पूरे भारत के विभिन्न प्रान्तों के आर्यवीरों ने दिन-रात अपनी सेवायें देकर सम्मेलन को सफल करने में विशेष सहयोग

प्रदान किया। इस सम्मेलन के प्रथम दिवस उद्घाटन के उपरान्त सफेद कपड़ों को पहनकर अपने को आर्यत्व का सबसे बड़ा हितैषी व पोषण देने वाले और अपने नाम के आगे आर्य लगा कुछ तथाकथित दूषित व संकीर्ण मानसिकता के अहमी लोगों के माध्यम से आर्यों के इस महाकुम्भ के कार्यक्रम को विफल करने का प्रयास किया गया। इन कुप्रयासों को व्यवस्था में लगे आर्यवीरों ने साहस व धैर्य के साथ विफल किया और सम्मेलन को निर्विघ्न सफलता के साथ सम्पन्न कराने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस घटनाक्रम में सर्वश्री बृहस्पति आर्य, हिमांशु, संदीप आर्य, विकास आर्य, रवि आर्य, अजय आर्य, फारूल आर्य को दिल्ली पुलिस द्वारा अगले दिन धोखे से पकड़कर तिहाड़ व रोहिणी जेल में भेज दिया गया। सार्वदेशिक सभा के सहयोग व दल के श्री जितेन्द्र भाटिया के विशेष प्रयासों से दो दिन पश्चात् सभी सात आर्यवीरों को जमानत पर रिहा करवाया गया। वर्त्तमान में उपरोक्त सभी सातों आर्यवीरों पर धारा 147, 148, 149, 185, 353 के अन्तर्गत दिल्ली पुलिस द्वारा केस दर्ज है। जिसकी रोहिणी कोर्ट में निरन्तर सुनवाई चल रही है और सार्वदेशिक व दिल्ली सभा की ओर से इस केस को समाप्त करने का सद्प्रयास किया जा रहा है।

शाखा विवरण

1. पूर्वी दिल्ली प्रीत विहार शाखा

अप्रैल 2015 में तालकटोरा स्टेडियम में आर्य विद्या परिषद् द्वारा आयोजित कार्यक्रम "कल आज और कल" के कार्यक्रम में आर्यवीरों ने भाग लिया एवं अपनी प्रस्तुति दी।

नवम्बर 2015 दिपावली पर "महर्षि दयानन्द निर्वाण दिवस" पर आर्यवीरों ने मंच से एक नाटिका प्रस्तुत की, जिसके माध्यम से पाखण्ड का खण्डन किया गया तथा यह भी बताया गया कि मीडिया के माध्यम से पाखण्ड किस प्रकार अपनी जड़ें जमाता जा रहा है। 25 दिसम्बर 2015 "स्वामी श्रद्धानन्द बलिदान दिवस" की शोभायात्रा में 97 आर्यवीरों ने भाग लिया, जिसमें से 40 आर्यवीरों ने "पर्यावरण सुरक्षा" का संदेश देते हुए साइकल उपयोग के माध्यम से रैली को निकाला।

26 जनवरी 2016 को गणतन्त्र दिवस के अवसर पर आर्य वीर दल के 87वें स्थापना दिवस एवं ब्र० राजसिंह स्मृति दिवस के रूप में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में दिल्ली, हरियाणा एवं उत्तर प्रदेश से आर्यवीरों, संन्यासियों व अतिथियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में दिल्ली प्रदेश की समस्त शाखाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में लगभग 3 हजार आर्यजनों एवं आर्यवीरों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारम्भ यज्ञ द्वारा किया गया। ध्वजारोहण महाशय धर्मपाल जी (एम. डी.एच.) एवं श्री ठाकुर विक्रम सिंह जी द्वारा किया गया।

6-7 फरवरी 2016 को प्रीत विहार आर्यसमाज में आर्य वीर दल दिल्ली प्रदेश के युवाओं हेतु विशेष बौद्धिक सत्र "मनुर्भव" का समाज के प्रधान श्री सुरेन्द्र रैली जी के माध्यम से आयोजन किया गया। इस आयोजन में दल के 35 सदस्यों ने भाग लिया।

14 फरवरी 2016 को आयोजित डी.ए.वी. मैनेजिंग कमेटी एवं प्रादेशिक प्रतिनिधि सभा द्वारा जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में "नई दिशा नया संकल्प" के कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में क्षेत्र के 15 से अधिक आर्यवीरों ने भाग लिया।

7 मार्च 2016 को रामलीला मैदान में आयोजित "ऋषि बोधोत्सव" पर आर्यवीरों ने मंच से नाटिका प्रस्तुत की, जिसमें सच्चे ईश्वर के स्वरूप को बताया गया। 23 मार्च 2016 को दिल्ली सभा द्वारा आयोजित "होली मंगल मिलन" के कार्यक्रम में शाखा के आर्यवीरों ने मंच ये बाल मजदूरी एवं शिक्षा के विषय में नाटिका प्रस्तुत की। कार्यक्रम में सभा की ओर से श्री प्रेम आर्य का विशेष सम्मान किया गया।

2. पश्चिमी दिल्ली जनकपुरी सी-3 शाखा

आर्यसमाज सी-3 जनकपुरी के वार्षिक उत्सव के आयोजन में शाखा के आर्यवीरों ने बड़े उत्साह से भाग लिया एवं सेवा कार्यो को किया। इस कार्य में शाखा के 23 आर्यवीरों ने भाग लिया।

24-31 मई 2015 में आयोजित आर्य वीर दल दिल्ली प्रदेश के शिविर में शाखा के 14 आर्यवीरों ने भाग लिया व शिविर के सेवा कार्यों में भाग लिया। 26 जुलाई 2015 आर्यसमाज दुर्गा पार्क का वार्षिक उत्सव मनाया गया, जिसमें शाखा के 16 आर्यवीरों ने भाग लेकर विभिन्न सेवा कार्यों को किया। 15 अगस्त 2015 को आर्यसमाज सी-3 जनकपुरी ने "69वां स्वतन्त्रता दिवस" के कार्यक्रम का आयोजन किया। इसमें शाखा के 21 आर्यवीरों भाग लिया। कार्यक्रम में आर्यवीरों द्वारा देशभक्ति गीत, नाटिका, भाषण एवं शक्ति-प्रदर्शन किया। समाज के सभी उपस्थित लोगों ने आर्यवीरों का उत्साहवर्धन किया।

29 अगस्त से 6 सितम्बर 2015 को समाज की ओर से "श्रावणी पर्व" का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 28 आर्यवीरों ने भाग लिया। कार्यक्रम में 15 मिनट का शक्ति-प्रदर्शन किया गया। 25 दिसम्बर 2015 को "स्वामी श्रद्धानन्द बलिदान दिवस" पर शाखा के 50 आर्यवीरों ने भाग लिया व शोभायात्रा के दौरान शाखा की ओर से विभिन्न प्रकार के शक्ति-प्रदर्शनों को किया गया। जैसे- लाठी, तलवार, स्तूप, बॉक्सिंग इत्यादि। 26 जनवरी 2016 को "आर्य वीर दल के 87वें स्थापना दिवस" के आयोजन में 50 से अधिक आर्यवीरों व 20 से अधिक वीरांगनाओं ने भाग लिया।

14 फरवरी 2016 को आयोजित डी.ए.वी. मैनेजिंग कमेटी एवं प्रादेशिक प्रतिनिधि सभा द्वारा जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में "नई दिशा नया संकल्प" के कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में क्षेत्र के 10 से अधिक आर्यवीरों ने भाग लिया।

7 मार्च 2016 को रामलीला मैदान में आयोजित "ऋषि बोधोत्सव" पर 20 से अधिक आर्यवीरों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के दौरान हुई खेल प्रतियोगिता में 2 आर्यवीर पुरस्कृत हुये।23 मार्च 2016 को दिल्ली सभा की ओर से आयोजित "होली मंगल मिलन" के कार्यक्रम में शाखा के 40 आर्यवीरों ने भाग लिया व कार्यक्रम को सफल बनाने में अपनी सेवायें दीं।

नोटः- अन्य शाखाओं का विवरण आगामी अंकों में व्यवस्थानुसार रहेगा।........

धन्यवाद ज्ञापन

मैं सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, सार्वदेशिक आर्य वीर दल, दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, केन्द्रीय आर्य प्रतिनिधि सभा, प्रादेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, डी.ए.वी. प्रबंधकर्त्री समिति, आर्य वीरांगना दल, डी.ए.वी. स्कूल, आर्यसमाजों व वेद प्रचार मंडल के सभी अधिकारियों एवं सदस्यों का हृदय से आभार प्रकट करता हूँ, जिन्होंने आर्य वीर दल दिल्ली प्रदेश की गतिविधियों को वर्ष भर सुचारू रूप से चलाये रखने में सहयोग प्रदान किया।

मैं विशेष रूप से उन सभी दानी महानुभावों का आभार प्रकट करता हूँ, जिनके आर्थिक सहयोग एवं आशीर्वाद के फलस्वरूप निरंतन संगठन की गति बनी रही। वस्तुत: दल के द्वारा किये गये सामाजिक कार्यों का प्रकल्प दानी सज्जनों के द्वारा ही उन्नति को प्राप्त हुआ।

मैं अपने सभी व्यायाम शिक्षकों, बौद्धिक शिक्षकों, अधिकारियों, कार्यकर्त्ताओं, सदस्यों, शाखानायकों तथा आर्यवीरों का भावनात्मक रूप से आभार प्रकट करता हूँ, जिन्होंने वर्ष भर विभिन्न विपरीत परिस्थितियों में भी दल के कार्यों को प्राथमिकता दी। संभवत: दल की वर्तमान उन्नति, इन्हीं समर्पित एवं जुझारू सदस्यों के प्रयासों द्वारा ही संभव हो सकी है।

मैं उन सभी राष्ट्रीय, स्थानीय समाचारपत्र, टी.वी. चैनल, आर्य संदेश, टंकारा समाचार, आर्य जगत आदि पत्रिकाओं को हृदय से आभार प्रकट करता हूँ, जिन्होंने दल की गतिविधियों को प्रमुखता से प्रकाशित एवं प्रसारित कर हमें राष्ट्रहित के कार्यों को करने का नैतिक सब्बल एवं प्रेरणा प्रदान की।

मैं समाज में विशिष्ट स्थान रखने वाले उन सभी महानुभावों का हृदय से आभारी हूँ, जिन्होंने समय-समय पर दल की बैठकों व कार्यक्रमों में उपस्थित होकर हमारा गौरव बढ़ाया।

महामन्त्री — **बृहस्पति आर्य**

संचालक — **जगवीर आर्य**

रोजगार सम्बन्धी सूचना

आर्य वीर दल, दिल्ली प्रदेश के माध्यम से रोजगार उपलब्ध कराने हेतु कुछ योजनाओं पर कार्य चल रहा है। यह योजना दल के ऐसे योग्य युवकों के लिए है, जिनके परिवारों की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है और जो स्वयं की पढ़ाई भी 8वीं/10वीं/12वीं या स्नातक तक मात्र ही बहुत मुश्किल से कर सके हैं और रोजगार प्राप्त करने का प्रयास कर रहे हैं। ऐसे सभी आर्य युवक अपना बायोडाटा aryaveerdaldelhirojgar17@gmail.com पर ईमेल करें या कार्यालय पर पोस्ट करें। दल उनके प्रोत्साहन व आजीविका के लिए रोजगार तलाशने व यथासंभव रोजगार की व्यवस्था बनाने का प्रयास करेगा। अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें-**श्री गौतम आर्य 9210747806, श्री वीरेश आर्य 9868776103, श्री सुन्दर आर्य 9899008054, श्री वाचस्पति शास्त्री 9999490098, श्री मनीश आर्य 9810118709**

सर्वादेशिक आर्य वीरंगना दल के तत्वावधान में

राष्ट्रीय व्यक्तित्व विकास एवं आत्मरक्षण शिविर

दिनांक 28 मई से 4 जून 2017,
स्थान : भगवती आर्ष कन्या गुरूकुल, रिवाड़ी, महाविद्यालय, गांव जसात, तहसील, पटौदी, गुड़गांव

उद्घाटन : रविवार 28 मई, सांय 5 बजे

समापन: रविवार 4 जून, प्रात: 10 से 1 बजे

विशेष आकर्षण- शुटिंग, मलखम, बैण्ड, लेजियम, कराटे, इत्यादि

1. शिवरार्थी 28 मई को दोपहर 1 बजे ते जरुर पहुंच जाए। **2.** आयु कम से कम 14 वर्ष हो। **3.** टार्च, लाठी, मग, साबुन साथ लायें। **4.** शिविर का गण्वेश 2 जोड़ी सफेद सलवार कमीज, केसरिया दुपट्टा, सफेद पी.टी. शूज, सफेद मोजे व पहनने के उचित कपड़े साथ लायें। **5.** शिवरार्थी कोई भी कीमती वस्तु, मोबाइल व अधिक पैसा साथ न लायें। **6.** शिविर शुल्क 300 रूपये प्रति शिविरार्थी होगा। पाठ्य पुस्तक शिविर की तरफ से दी जायेंगी। **7.** सभी शिवरार्थी अपना नामांकन 28 मई 2017 दोपहर 1 बजे तक करा लें।

संयोजक :

साध्वी डॉ. उत्तमायति — प्रधान संचालिका

मृदुला चौहान — संचालिका, 98107032760

अंजु बजाज — सह-संचालिका, 9810563979

आरती खुराना — सचिव, 9910234595

विमला मल्लिक — कोषाध्यक्षा, 7289915010

निवेदक :

आचार्य आदेश आर्य — प्रधानाचार्या

डॉ. रविन्द्र आर्य — संचालक गुरूकुल, 9416188854

श्रीमति दमयन्ती देवी — संचालिका गुरूकुल, 9728217071

प्रशिक्षक : श्री सचिन, ऋतांशी, पूर्वी, पारुल, सुमेधा, गार्गी, भारती

टंकारा यात्रा-2017 पर विशेष

यात्रा वीरों वाली है, यात्रा वीरों वाली है।
दिल्ली के वीरों की देखो, शान निराली है॥
जन्मदिन भी है मनाया, ऋषि बोधोत्सव आया।
सभी का मन हर्षाया, वीरों ने मिलकर गाया।
वेदों की अग्नि की घर-घर, ज्योत जला ली है॥
आचार्य देवव्रत जी, मनोहर लाल खट्टर जी, स्वामी सुमेधानंद
और विभिन्न विद्वानों से देखो, शुभ आशीष है पाया।
महाशय धर्मपाल जी ने आकर, स्नेह वीरों पे लुटाया।
ओ३म् ध्वज दिखाकर यात्रा, शुभ कर डाली है॥
ऋषिवर देव दयानन्द, पुण्य भूमि में आकर।
राष्ट्र की एकता खातिर, अखण्ड भारत की खातिर।
टंकारा की पुण्य भमि, महक ही डाली है॥
आओ वीरों ऐ आओ, प्रतिज्ञा ले ले आओ।
"युवा निर्माण" की खातिर, मन में ज्योत जगाओ।
'राष्ट्रप्रेमी' गाए वीरों, यह भूमि बलिदानी है॥

दिनेश आर्य 'राष्ट्रप्रेमी' प्रधान शिक्षक, आ.वी.द.दि.प्र.

आर्य वीरांगना दल दिल्ली प्रदेश

(आर्य वीर दल दिल्ली प्रदेश के अंतर्गत)

वार्षिक विवरण वर्ष 2015-16

आदरणीय आर्य वीरों, आर्य वीरांगनाओं!

सादर नमस्ते,

आर्य वीरांगना दल दिल्ली प्रदेश द्वारा वर्ष 2015-16 में किये गये कार्यों तथा गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण आपकी सेवा में प्रस्तुत करते हुए मुझे अपार हर्ष की अनुभूति हो रही है। मैं इस वार्षिक अधिवेशन में सम्मिलित सभी महानुभावों का हार्दिक अभिनन्दन करती हूँ।

1. प्रान्तीय शिविर 2015:-

आर्य वीरांगना दल दिल्ली प्रदेश के तत्त्वावधान में **"विशाल चरित्र निर्माण एवं आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर"** का आयोजन 17 मई से 24 मई 2015 तक दयानन्द मॉडल स्कूल, आर्यसमाज पटेल नगर में किया गया। जिसमें लगभग 150 से अधिक वीरांगनाओं ने भाग लिया। सार्वदेशिक आर्य वीर दल द्वारा निर्दिष्ट आर्य वीरांगना श्रेणी एवं शाखानायिका श्रेणी के पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण दिया गया। शिविर में अनेक विद्वानों एवं सुयोग्य व्यायाम शिक्षिकाओं के माध्यम से सात दिनों तक आर्य वीरांगनाओं को बौद्धिक एवं शारीरिक प्रशिक्षण दिया गया। सामाजिक उत्थान हेतु वीरांगनाओं को योगासन, कराटे, सैनिक शिक्षा, आत्मरक्षा प्रशिक्षण आदि के साथ में सन्ध्या, यज्ञ, आर्य समाज के सिद्धान्त, संगीत के माध्यम से भजन एवं गीत, भाषण कला, हस्तकला आदि का कुशल प्रशिक्षण दिया गया। शिविर का उद्घाटन 17 मई को व समापन 24 मई को किया गया। शिविर के दौरान व कार्यक्रम के उद्घाटन व समापन पर विभिन्न अतिथियों द्वारा आशीर्वाद दिया गया। कार्यक्रम के समापन समारोह में ध्वजारोहण करने के लिए मुख्य अतिथि के रूप में महाशय धर्मपाल जी उपस्थित हुए।

समापन समारोह में वीरांगनाओं द्वारा पद संचलन, भव्य व्यायाम प्रदर्शन प्रस्तुत किये गए। सभी प्रदर्शनों की उपस्थित आर्य जनता ने भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए दल के अधिकारियों एवं बच्चियों को आशीर्वाद प्रदान किया। शिविर को सफल बनाने के लिए वीरांगना दल की समस्त अधिकारियों के साथ में संगठन के श्री जितेन्द्र भाटिया, श्री मनीष आर्य, श्री संजय चौहान, श्री राजेश आर्य आदि सदस्यों का विशेष योगदान रहा।

शिविर की सफलता में सहयोग करने के लिए स्कूल के समस्त अधिकारियों एवं सेवकों तथा समस्त आर्य समाजों व संगठन के सदस्यों का मैं हृदय से आभार प्रकट करती हूँ।

2. ऋषि निर्वाण व बोधोत्सव:-

आर्य केन्द्रीय सभा दिल्ली द्वारा आयोजित रामलीला मैदान में दोनों ही कार्यक्रमों में वीरांगना दल की 60 से अधिक वीरांगनाओं व प्रमुख अधिकारियों ने भाग लिया।

3. स्वामी श्रद्धानन्द बलिदान दिवस शोभायात्रा:-

स्वामी श्रद्धानन्द बलिदान दिवस की शोभायात्रा 25 दिसम्बर 2015 को आयोजित की गई। इस शोभायात्रा में 150 से अधिक वीरांगनाओं ने भाग लिया। इसमें दिल्ली में लगने वाली सभी वीरांगना दल की शाखाओं ने सम्मिलित होकर भव्य व्यायाम प्रदर्शन कर आर्य जाति को गौरवान्वित किया।

4. आर्य वीर दल का 87वाँ स्थापना दिवस:-

यह कार्यक्रम पूर्वी दिल्ली में भारती पब्लिक स्कूल, स्वास्थ्य विहार में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में 200 से अधिक वीरांगनाओं व सभी प्रमुख अधिकारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम की भव्यता व सुन्दरता मन मोहक थी। कार्यक्रम के माध्यम में सभी ने संकल्प किया कि हम वीरांगना दल की शाखाओं का विस्तार करते हुए संगठन में अधिक से अधिक वीरांगनाओं को प्रशिक्षण देंगे और प्रत्येक वीरांगना को आर्य समाज के साप्ताहिक सत्संग में जाने के लिए प्रेरित करेंगे।

5. होली महोत्सव:-

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा द्वारा आयोजित होली महोत्सव में आर्य वीरांगनाओं ने बढ़चढ़ करके भाग लिया। आए हुए सभी अतिथियों का दल की प्रमुख अधिकारियों द्वारा चन्दन तिलक लगाकर स्वागत किया व भोजन की व्यवस्था को बनाने में वीरांगनाओं ने सहयोग दिया।

6. प्रान्तीय बैठक:-

वीरांगना दल की गतिविधियों को सुचारू रूप से चलाने के लिए गत वर्ष दिनांक 21/03/2015, 05/08/2015, 20/12/2015, 31/01/2016 को बैठकें हुईं। जिसमें शिविर से सम्बन्धित व्यवस्थायें, शाखाओं से सम्बन्धित विषय व संगठन से सम्बन्धित विषयों पर चर्चा हुई।

7. शाखाओं का विस्तार कार्य:-

वर्त्तमान में वीरांगना दल की शाखायें मंगोलपुरी, जनकपुरी सी-3, प्रीत विहार, दयानन्द विहार, विकासपुरी डी ब्लॉक, सन्देश विहार, रानी बाग आदि स्थानों पर संचालित हैं तथा उपरोक्त स्थानों की सदस्या स्थानीय आर्य समाजो, सभाओं के कार्यक्रमों व संगठन के कार्यक्रमों में भाग लेते हुए सेवायें देती हैं। इन वीरांगनाओं पर पूरे आर्य जगत् को गर्व है। धन्यवाद

शारदा आर्या (कार्यकारी संचालिका)

सूचना

दल द्वारा आयोजित महर्षि दयानन्द योगासन प्रतियोगिता (दिल्ली राज्य) जो कि अप्रैल माह में निश्चित की गई थी, वह दल द्वारा आयोजित बृहद् प्रान्तीय शिविर-2017 के कारण स्थगित की गई है। आगामी माहों में यह प्रतियोगिता की जाएगी। जिसकी समुचित जानकारी आगामी अंकों में समय अनुसार निश्चित कर दी जाएगी।

आर्य वीर दल दिल्ली प्रदेश का वर्ष 2015-16 का आय-व्यय विवरण

ARYA VEER DAL DELHI PRADESH

ARYA SAMAJ MINTO ROAD , DIN DAYAL UPADHAYAI MARG, NEAR RANJEET SINGH FLYOVER, NEW DELHI

INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31st MARCH 2016

Amount in ₹

PREVIOUS YEAR	PARTICULARS	CURRENT YEAR	PREVIOUS YEAR	PARTICULARS	CURRENT YEAR
-	To Audit Fees	4,008	23,545	By Bank Interest	25,718
652	To Bank Charges	336	12,81,893	By General Donation	10,46,366
10,887	To Brahama Shivir	12,210	36,012	By Shivir Shulk Received	1,59,280
3,706	To Bike Insurance	11,570			
520	To Cartarage Expense	-			
14,000	To Claim Charges	-			
-	To Conference Expenses	5,988			
9,150	To Conveyance	6,590			
12,919	To Depreciation	78,867			
1,08,470	To Distribution of dresses	35,950			
5,100	To Donation Paid	-			
-	To Electricity	6,660			
56,021	To Ek sham shahido ke naam expense	-			
1,17,374	To Jammu Kashmir relief	-			
65,556	To Kabaddi pratiyogita	30,824			
14,180	To Khel Pratiyogita	-			
730	To Medicine Distribution	50,000			
3,800	To Misc Expenses	3,053			
2,752	To Postage & Courier	3,620			
4,09,787	To Prantiya Shivir expense	5,76,604			
32,650	To Printing & stationery	10,978			
9,100	To Prizes Distribution	2,800			
93,300	To Salary & Professional fees to teachers	2,67,978			
-	To Repair & Maintenance	850			
9,000	To Salary	-			
-	To Staff Welfare	3,500			
6,000	To Swami Shrdhanand Balidan Diwas Expenses	-			
-	To Telephone Expenses	400			
21,400	To Uttrakhand Flood relief expense	-			
3,34,396	To Excess of income over expenditure	1,18,578			
13,41,450		12,31,364	13,41,450		12,31,364

AUDITOR'S REPORT

As per our separate report of even date attached

for SURESH & ASSOCIATES

FRN: 003361N

CHARTERED ACCOUNTANTS

[CA NARENDRA K ARORA]

PARTNER

Membership No. 088256

Place : New Delhi

Date: 28 SEP 2016

PRESIDENT SECRETARY

TREASURER

ARYA VEER DAL DELHI PRADESH

ARYA SAMAJ MINTO ROAD , DIN DAYAL UPADHAYAI MARG, NEAR RANJEET SINGH FLYOVER, NEW DELHI

BALANCE SHEET AS AT 31st MARCH 2016

Amount in ₹

PREVIOUS YEAR	LIABILITIES	SCH.NO.	CURRENT YEAR	PREVIOUS YEAR	ASSETS	SCH.NO.	CURRENT YEAR
10,14,360	Capital Fund/Genral fund	1	13,18,050	7,59,694	Fixed assets	2	13,78,438
2,22,633	Reaserve & surplus		5,57,030				
3,34,396	Add: Excess of income over expenditure		1,18,578				
15,71,389			19,93,658				
					Current Assets		
3,03,690	Corpus Fund		-	2,15,857	Cash in hand		95,054
15,460	Sundry Creditors		36,430	6,44,098	Balance with Bank	3	3,31,417
				2,70,000	Loans & advances	4	2,24,228
				890	Prepaid Insurance		950
	Notes on accounts						
18,90,539			20,30,088	18,90,539			20,30,088

AUDITOR'S REPORT

As per our separate report of even date attached

for SURESH & ASSOCIATES

FRN: 003361N

CHARTERED ACCOUNTANTS

[CA NARENDRA K ARORA]

PARTNER

Membership No. 088256

Place : New Delhi

Date: 28 SEP 2016

PRESIDENT SECRETARY

TREASURER

आर्य वीर दल दिल्ली प्रदेश का वर्ष 2014-15 का आय-व्यय विवरण

ARYA VEER DAL DELHI PRADESH

ARYA SAMAJ MINTO ROAD , DIN DAYAL UPADHAYAI MARG, NEAR RANJEET SINGH FLYOVER, NEW DELHI

INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31st MARCH 2015

Amount In Rs.

PREVIOUS YEAR	PARTICULARS	CURRENT YEAR	PREVIOUS YEAR	PARTICULARS	CURRENT YEAR
8,000	To Accounting Charges	-	25,034	By Bank Interest	23,545
3,100	To Audit Fees	-	688,462	By General Donation	1,281,893
13,160	To Balidan Divas expenses	-	12,760	By Interest from FD	-
881	To Bank Charges	652	378,310	By Shivir Fund Donation	36,012
-	To Bodhik Shivir	10,887	460,493	By Donation for Uttrakhand Relief	-
-	To Bike Insurance	1,246			
15,820	To Bike Maintenance	2,460			
-	To Cartarage Expense	520			
-	To Claim Charges	14,000			
13,300	To Conveyance	9,150			
13,414	To Depreciation	12,919			
127,235	To Distribution of dresses	108,470			
51,100	To Donation Paid	5,100			
59,620	Ek sham shahido ke naam To expense	56,021			
-	To Jammu Kashmir relief	117,374			
-	To Kabaddi pratiyogita	65,556			
-	To Khel Pratiyogita	14,180			
-	To Medicine Distribution	730			
86,480	To Misc Expenses	3,800			
8,808	To Monthly Meeting Expense	-			
1,315	To Postage & Courier	2,752			
319,510	To Prantiya Shivir expense	409,787			
46,677	To Printing & stationery	32,650			
15,000	To Prizes Distribution	9,100			
144,705	To Professional fees to teachers	93,300			
-	To Salary	9,000			
-	Swami Shrdhanand Balidan To Diwas	6,000			
194,697	To Tankara yatra Expense	-			
359,808	Uttrakhand Flood relief To expense	21,400			
2,028	To Vehicle Insurance	-			
80,401	Excess of income over To expenditure	334,396			
1,565,059		**1,341,450**	**1,565,059**		**1,341,450**

AUDITOR'S REP(
As Per Our Separate Report of Even date attached
For SURESH & ASSOCIATES
FRN: 003361N
CHARTERED ACCOUNTANTS

(CA NARENDRA K ARORA)
PARTNER
M.NO 088256
DATE : 23.09.2015
PLACE : DELHI

SURESH & ASSOCIATES CHARTERED ACCOUNTANTS DELHI

Jasbeer Singh
(PRESIDENT)

Brihaspati Arya
(SECRETARY)

Jeetender Bhatia
(TREASURER)

ARYA VEER DAL DELHI PRADESH

ARYA SAMAJ MINTO ROAD , DIN DAYAL UPADHAYAI MARG, NEAR RANJEET SINGH FLYOVER, NEW DELHI

BALANCE SHEET AS AT 31st MARCH 2015

Amount in Rs.

PREVIOUS YEAR	LIABILITIES	SCH. NO.	CURRENT YEAR	PREVIOUS YEAR	ASSETS	SCH. NO.	CURRENT YEAR
1,318,049	Capital Fund/General fund	1	1,318,050	677,113	Fixed assets	2	759,694
197,172	Reserve & Surplus		197,172				
	Excess of Income over Expenditure				Current Assets		
(54,939)	Opening Balance		25,462	440,186	Cash in hand		215,857
80,401	Add: Current Period		334,396	426,484	Balance with Bank	3	644,098
25,462			359,858	-	Refundable Assistance	4	270,000
	Current Liabilities			-	Prepaid Insurance		890
-	Sundry Creditors		15,460				
3,100	Audit Fee payable		-				
	Notes on accounts	4					
1,543,783			**1,890,540**	**1,543,783**			**1,890,540**

AUDITOR'S REPORT
As Per Our Separate Report of Even date attached
For SURESH & ASSOCIATES
FRN: 003361N
CHARTERED ACCOUNTANTS

(CA NARENDRA K ARORA)
PARTNER
M.NO 088256
DATE : 23.09.2015
PLACE : DELHI

SURESH & ASSOCIATES CHARTERED ACCOUNTANTS DELHI

Jasbeer Singh
(PRESIDENT)

Brihaspati Arya
(SECRETARY)

Jeetender Bhatia
(TREASURER)

शुभकामना–सन्देश

1. आर्य जगत् के भामशाह, युवाओं के हृदय सम्राट् व आर्यवीरों के प्रेरणास्रोत महाशय धर्मपाल जी एम.डी.एच. का 94वां जन्मदिवस 27 माच, 2017 को भव्यता के साथ आयोजित किया गया। आपकी आर्य समाज के प्रति कर्त्तव्यनिष्ठा किसी से भी छिपी नहीं है। आप सच्चे ईश्वरभक्त व यज्ञ प्रेमी हैं। आपके जीवन से अनुशासन, प्रेम, सादगी दृष्टिगत होती है। आप लाखों लोगों के अनुकरणीय हैं। आर्य वीर दल व आर्य वीरांगना दल, दिल्ली प्रदेश को आपका आशीर्वाद व मार्गदर्शन हमेशा प्राप्त होता रहा है। दल ईश्वर से प्रार्थना करता है कि आप स्वस्थ रहते हुए दीर्घ आयु को प्राप्त होकर समाज सेवा के कार्यों को अपना नेतृत्व देकर सफलतापूर्वक करते रहें।

2. आर्य जगत् से सम्बन्धित विभिन्न स्कूलों, कॉलेजों, आर्य समाजों एवं सभाओं के प्रमुख अधिकारी के रूप में निरन्तर कार्य कर रहे, बुलन्द हौसले व आवाज के धनी, आर्य वीर दल व युवाओं के प्रेरणास्रोत एवं 70–80 वर्षों के आर्य समाज के इतिहास की जानकारी रखने वाले ऋषि दयानन्द के अनन्य भक्त **श्री रामनाथ सहगल जी के 93वें जन्मोत्सव पर आर्य वीर दल, दिल्ली प्रदेश परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएँ** और ईश्वर से समस्त आर्य वीर दल परिवार प्रार्थना करता है कि आप स्वस्थ रहते हुए दीर्घ आयु को प्राप्त होवें।

3. दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा द्वारा आयोजित 15वें आर्य परिवार होली मंगल मिलन समारोह के अवसर पर 12 मार्च 2017 को **"ब्र० राजसिंह आर्य स्मृति सम्मान-2017"** से स्वामी दयानन्द के विचारधारा को घर–घर पहुँचाने वाले एवं वेद विचार समाचारपत्र के सम्पादक **आचार्य भद्रकाम वर्णी जी** को सम्मानित किया गया। यह सम्मान प्राप्त करने पर आर्य वीर दल, दिल्ली प्रदेश परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएँ और ईश्वर से समस्त आर्य वीर दल परिवार प्रार्थना करता है कि आप स्वस्थ रहते हुए दीर्घ आयु को प्राप्त होवें।

4. आर्य वीर दल, दिल्ली प्रदेश के प्रधान शिक्षक **श्री दिनेश आर्य जी** को उनके 33वें जन्मोत्सव 10 मार्च की आर्य वीर दल, दिल्ली प्रदेश परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएँ और ईश्वर से समस्त आर्य वीर दल परिवार प्रार्थना करता है कि आप स्वस्थ रहते हुए दीर्घ आयु को प्राप्त होवें।

ऋषि बोधोत्सव

ऋषि दयानन्द बोधोत्सव पर 24 फरवरी, 2017 को आर्य केन्द्रीय सभा द्वारा रामलीला मैदान, अजमेरी गेट पर भव्य "ऋषि मेला" का आयोजन किया गया। जिसमें आर्य वीर दल, दिल्ली प्रदेश द्वारा ध्वजारोहण, प्रसाद वितरण एवं भोजन वितरण की सुन्दर व्यवस्था दल के आर्यवीरों द्वारा की गई। ध्वजारोहण की प्रक्रिया आर्य वीर दल, दिल्ली प्रदेश के उपप्रधान शिक्षक श्री धर्मवीर आर्य द्वारा सम्पन्न हुई। इस कार्यक्रम में खेल प्रतियोगिता भी रखी गई, जिसमें कई शाखा के आर्यवीरों ने भाग लिया। प्रीत विहार, जनकपुरी सी–3, मंगोल पुरी, विकास पुरी शाखाओं ने इन विभिन्न व्यवस्थाओं में अपना अहम योगदान दिया। आर्य वीर दल, दिल्ली प्रदेश हमेशा सभाओं के कार्यक्रमों में हर प्रकार का सहयोग देने में तत्पर रहता है।

धर्मवीर आर्य उपप्रधान शिक्षक, आ.वी.द.दि.प्र.

---

23 मार्च बलिदान दिवस के उपलक्ष्य पर भव्य "एक शाम शहीदों के नाम"

आर्य समाज मोहन गार्डन द्वारा दिनांक 23 मार्च को शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में "एक शाम शहीदों के नाम" से भव्य कार्यक्रम शाम 6 बजे से रात्रि 10 बजे तक मेन मार्केट, मोहन गार्डन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य अपने देश को सैकड़ों साल से जकड़ी हुई भारत माता को आजाद कराने के लिये जिन शहीदों ने अपने प्राणों को न्यौछावर कर दिया, उन शहीदों की कुर्बानी को नई युवा पीढ़ी तक पहुँचाना था। कार्यक्रम में मुख्य रूप से हरियाणा के सुप्रसिद्ध आर्य भजनोपदेशक श्रीमान् सहदेव सिंह 'बेधड़क' को आमन्त्रित किया गया। जिनके सुमधुर भजनों व देशभक्ति की वीर गाथाओं ने समा बांध दिया।

इस कार्यक्रम में श्री दिनेश आर्य (प्रधान शिक्षक, आ.वी.द.दि.प्र.) के द्वारा देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति की गई। बहुत से युवाओं ने भी शहीदों को याद किया। इस अवसर पर श्री बृहस्पति आर्य (महामन्त्री, आ.वी.द.दि.प्र.), क्षेत्र के विधायक श्री महेन्द्र सिंह, पूर्व विधायक श्री मुकेश शर्मा, श्री विनय आर्य (मन्त्री, दि.आ.प्र.स.) आदि ने भी शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में मंच संचालन ओजस्वी वक्ता एवं युवा मन्त्री आर्य समाज मोहन गार्डन श्री धर्मवीर आर्य द्वारा किया गया। आर्य समाज के प्रधान श्री देवकीनन्दन गुप्ता द्वारा कार्यक्रम में आए हुए सभी देशभक्त आर्यजनों का धन्यवाद ज्ञापन किया गया। अन्त में सभी के लिये प्रीतिभोज की सुन्दर व्यवस्था की गई थी।

धर्मवीर आर्य मन्त्री
(आर्य समाज मोहन गार्डन)

आर्य समाज विकासपुरी, डी-ब्लॉक व आर्य वीर दल, पश्चिमी दिल्ली और शिवाजी शाखा विकासपुरी द्वारा आयोजित "एक शाम बलिदानियों के नाम"

23 मार्च, 2017 को भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव के 86वें बलिदान दिवस के उपलक्ष्य पर 26 मार्च, 2017 को आर्य समाज विकासपुरी, डी-ब्लॉक व आर्य वीर दल, पश्चिमी दिल्ली और शिवाजी शाखा विकासपुरी द्वारा **"एक शाम बलिदानियों के नाम"** के कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में आर्य समाज डी-ब्लॉक, विकासपुरी के प्रधान श्री हरीश कालरा, मन्त्री श्री बलदेव सचदेवा, विधायक श्री महेन्द्र यादव, निगम पार्षद श्री अशोक सैनी, आ.वी.द.दि.प्र. के सहसंचालक श्री सुन्दर आर्य, मन्त्री श्री बृहस्पति आर्य, कोषाध्यक्ष श्री जितेन्द्र भाटिया, उपसंचालक श्री वीरेश आर्य, पूर्व संचालक श्री वीरेन्द्र आर्य, श्री आनन्द प्रकाश आर्य, श्री दिनेश आर्य, श्री आलम आर्य, श्री लक्ष्य आर्य, श्री मधुसूदन आर्य, आर्य समाज मोहन गार्डन के प्रधान श्री देवकीनन्दन गुप्ता व मन्त्री श्री धर्मवीर आर्य आदि महानुभावों ने उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इस क्षेत्र के पुराने आर्यवीरों, विभिन्न माताओं, बहनों व आम जनता ने बहुत उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ यज्ञ के माध्यम से किया गया। कार्यक्रम के अन्तर्गत श्री बृहस्पति आर्य द्वारा भारत की स्वतन्त्रता में आर्य समाज व आर्यवीरों ने किस प्रकार अपनी भूमिका निभाई, इस पर अपना उद्बोधन रखा, श्री दिनेश आर्य व श्री धर्मवीर आर्य द्वारा ईश्वरभक्ति व राष्टभक्ति के सुन्दर भजनों को प्रस्तुत किया गया। श्री वीरेश आर्य एवं साथियों द्वारा राष्ट्र समर्पित कविताओं एवं बलिदानियों को स्मरण करते हुए अपनी ओजस्वी कविताओं को प्रस्तुत किया गया और क्षेत्र के वरिष्ठ आर्यवीरों व आर्य वीरांगनाओं के माध्यम से गीतों, भजनों, कविताओं की सुन्दर प्रस्तुतियाँ की गई। वातवरण को सहज बनाने के लिए श्री सोनू आर्य द्वारा हास्य प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए श्री रमेश आर्य (संयुक्त प्रभार, उपसंचालक) के नेतृत्व में 20 मार्च से 26 मार्च तक विभिन्न स्थानों व पार्कों में प्रातःकाल तिरंगा यात्रा का आयोजन कर आम जनमानस को आर्य वीर दल से जोड़ने का सुन्दर प्रयास किया गया। इस प्रयास में श्री संजय आर्य (मंडल संचालक, जनकपुरी सी-3 शाखा) का भी सहयोग रहा। कार्यक्रम के अन्त में श्री हरीश कालरा एवं श्री बलदेव सचदेवा जी की ओर से आए हुए सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन किया गया। मंच का सफल संचालन श्री राघव आर्य द्वारा किया गया। कार्यक्रम के उपरान्त ऋषिलंगर की सुन्दर व्यवस्था आर्य समाज डी-ब्लॉक द्वारा की गई थी।

रमेश आर्य (संयुक्त प्रभार, उपसंचालक आ.वी.द.प. दिल्ली)

आर्य वीर दल, पूर्वी दिल्ली व प्रीत विहार शाखा द्वारा आयोजित "एक शाम बलिदानियों के नाम"

23 मार्च, 2017 को भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव के 86वें बलिदान पर आर्य वीर दल, पूर्वी दिल्ली व प्रीत विहार शाखा द्वारा **"एक शाम बलिदानियों के नाम"** के कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में श्री सुरेन्द्र रैली (प्रधान, प्रीत विहार समाज), श्री वीरेश आर्य (उपसंचालक, आ.वी.द.दि.प्र.) आदि विभिन्न समाजों के अधिकारियों एवं इस क्षेत्र के पुराने आर्यवीरों व आम जनता ने बहुत उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारम्भ यज्ञ के माध्यम से किया गया। यज्ञ ब्रह्मा के रूप में आचार्य यशपाल शास्त्री जी रहे। कार्यक्रम के अन्तर्गत देशभक्ति गीतों, भजनों, कविताओं व राष्ट्रभक्ति नाटिकाओं की सुन्दर प्रस्तुतियाँ हुईं। मंच का सफल संचालन श्री प्रेम आर्य द्वारा किया गया।

रवि आर्य (नगरनायक, आ.वी.द. पूर्वी दिल्ली)

तृतीय शिक्षक व शाखानायक कार्यशाला सम्पन्न

दल के मुख्य कार्यालय आर्य समाज मिण्टो रोड पर 15-16 अप्रैल, 2017 को शिक्षक व शाखानायक कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें दिल्ली के 12 शिक्षकों व 25 शाखानायकों ने भाग लिया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य सभी शिक्षकों की एकरूपता व योग्यता को और अधिक प्रभावशाली बनाना था। जिससे ये शिक्षक अपने-अपने क्षेत्रों में शाखाओं के माध्यम से संगठन को दृढ़ता प्रदान करते हुए महर्षि दयानन्द सरस्वती व आर्य समाज की विचारधारा को जन-जन तक पहुँचाने का कार्य कर सकें। इस कार्यशाला में शाखानायकों की सन्ध्या, यज्ञ, राष्ट्रीय प्रार्थना, ध्वजगान, प्रथम श्रेणी के कोर्स का शुद्धिकरण कर इन सभी के व्यक्तित्त्व एवं नेतृत्व को निखारने का प्रयास किया गया। इस प्रकार की कार्यशालायें संगठन की भावी शिक्षण व्यवस्था को प्रभावशाली बनाती हैं। यह कार्यशाला प्रतिमाह आयोजित की जाती है।

धर्मवीर आर्य (उप प्रधान शिक्षक, आ.वी.द.दि.प्र.)

आर्य वीर दल, दिल्ली प्रदेश की आगामी चतुर्थ शिक्षक कार्यशाला

दिल्ली के सभी उप-व्यायाम शिक्षक एवं व्यायाम शिक्षकों की जून माह में आयोजित प्रान्तीय शिविर हेतु विशेष कार्यशाला आगामी 13-14 मई, 2017 को दल के मुख्य कार्यालय पर आयोजित की जाएगी। सभी 13 मई, 2017 को प्रातः 9 बजे तक कार्यशाला स्थल पर अवश्य पहुँचे। सन्ध्या-हवन, पाठ्यक्रम की पुस्तक, कॉपी-पेन एवं एक लाठी अवश्य साथ लाएँ। **दिनेश आर्य 'राष्ट्रप्रेमी'** प्रधान शिक्षक, आ.वी.द.दि.प्र.

आर्य वीर दल दिल्ली प्रदेश प्रान्तीय कार्य समिति 30.04.2017 से प्रभावी

क्र.	पद व कार्यविभाजन	अधिकृत व्यक्ति
1.	संरक्षक	स्वामी देवव्रत सरस्वती (प्रधान सेनापति, सा.आ.वी.द.) स्वामी प्रणवानन्द (आचार्य, गुरूकुल, गौतमबुद्ध नगर) स्वामी विदेह योगी (पूर्व अधिकारी, सा.आ.वी.द.) सारस्वत मोहन मनीषी (राष्ट्रीय कवि)
2.	प्रान्तीय संचालक	श्री जगवीर आर्य
3.	सह-संचालक	श्री सुन्दर आर्य
4.	संचालिका	श्री शारदा आर्या
5.	उप-संचालक	सर्वश्री जगवीर आर्य, रोहताश आर्य, विरेश आर्य
6.	महामंत्री	श्री बृहस्पति आर्य
7.	कोषाध्यक्ष	श्री जितेन्द्र भाटिया
8.	बौद्धिकाध्यक्ष	आचार्य हरि प्रसाद
9.	उप-बौद्धिकाध्यक्ष	ब्र. संदीप आर्य
10.	प्रधान शिक्षक	श्री दिनेश आर्य
11.	उप-प्रधान-शिक्षक	श्री धर्मवीर आर्य
12.	लेखा निरीक्षक	श्री राजेश आर्य
13.	उप-मंत्री (कार्यालय)	श्री वाचस्पति शास्त्री
14.	उप-मंत्री (प्रचार)	श्री यश आर्य
15.	उप-मंत्री (संगठन)	श्री संजय आर्य
16.	उप-मंत्री (व्यवस्था)?	सर्वश्री पवन आर्य, मनोज आर्य, पंकज आर्य
17.	दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा महामंत्री (पदेन)	श्री विनय आर्य
18.	दिल्ली आर्य प्रति. सभा आ.वी.द अधिष्ठाता (पदेन)	श्री जितेन्द्र खरबन्दा
19.	स्वामी श्रद्धानंद (सेवा समिति)	सर्वश्री जयकिशन गुलिया, रोहतार्श आर्य, संजय चौहान
20.	संयुक्त प्रभार उप-संचालक (पश्चिमी दिल्ली)	श्री रमेश आर्य
21.	ब्र. राज सिंह आर्य (रोजगार समिति)	सर्वश्री गौतम आर्य, सुन्दर आर्य, विरेश आर्य, वाचस्पति शास्त्री, मनीष आर्य
22.	पं. गुरूदत्त विद्यार्थी (छात्रवृत्ति समिति)	सर्वश्री विरेश आर्य, सुन्दर आर्य, रोहताश आर्य, राजेश आर्य
23.	अनुशासन समिति	सर्वश्री स्वामी विदेह योगी, आचार्य हरि प्रसाद, विरेश आर्य, राजेश आर्य
24.	संपत्ति एवं निधि समिति	सर्वश्री जितेन्द्र भाटिया, विरेश आर्य, मनोज आर्य, पवन आर्य
25.	खेल समिति	सर्वश्री लक्ष्य आर्य, आलम आर्य, गिरेन्द आर्य, प्रेम आर्य, आयुष आर्य
26.	ओमप्रकाश त्यागी शाखा विस्तार समिति	सर्वश्री संजय आर्य (सी-3), सोनू आर्य (रानी बाग), अभिषेक आर्य, सूरज आर्य, कनिष्क आर्य, ब्र. संजय आर्य, सुशील आर्य, भुवनेश आर्य, आशीष आर्य, संजय आर्य (रानी बाग)
27.	प्रतिष्ठित सदस्य	सर्वश्री विद्यामित्र ठुकराल, सुरेन्द्र रैली, रविदेव गुप्ता, रवि चड्ढ़ा, शिवकुमार मदान, बृजपाल आर्य,
28.	आमंत्रित सदस्य	सर्वश्री चतर सिंह नागर, सुरेन्द्र आर्य, क्रांति तनेजा, ईश नारंग, अजय तनेजा, बलदेव सचदेवा, प्रवीण वाधवा, डा. सुबोध कुमार शर्मा, आनंद आर्य, गोपाल आर्य

आर्य वीरांगना दल, दिल्ली प्रदेश द्वारा विशाल चरित्र निर्माण एवं...............

क्या आप चाहते हैं कि आपके परिवार की बेटियां निर्भीक होकर इस समाज में रहें?
क्या आप चाहते हैं कि आपकी बेटियां किसी भी समय अपने घर से निकलें तो उसे या परिवार को भयभीत न होना पड़े?
क्या आप चाहते हैं कि आपकी बेटी समाज व राष्ट्र के प्रति जागरूक हो और वैदिक संस्कारों से ओतप्रोत हो?
क्या आप चाहते हैं कि आपकी बेटी का बौद्धिक, मानसिक व शारीरिक विकास हो?
यदि हाँ......तो इनको आर्य वीरांगना दल, दिल्ली प्रदेश के शिविर में अवश्य भेजें। इस शिविर में इनको आत्मरक्षा की विभिन्न विद्याओं के साथ-साथ अपने जीवन को आदर्श बनाने के लिए व्यक्तित्त्व विकास की शिक्षा, योग्य शिक्षिकाओं व विदुषियों द्वारा दी जाएगी।

शिविरार्थियों हेतु निर्देश:-1. शिविरार्थी की आयु 12 वर्ष से अधिक हो। 2. शिविर शुल्क 300/- रुपये प्रति शिविरार्थी होगा एवं अपने साथ दो पासपोर्ट साईज फोटो लाएं। 3. कन्याओं को शिविर स्थल पर छोड़ने व वापसी ले जाने की जिम्मेदारी अभिभावकों की होगी। शिविरार्थी अपने साथ कोई भी कीमती सामान न लाएं। 4. शिविरार्थी भोजन के लिए थाली, गिलास, चम्मच, कटोरी, पानी की बोतल एवं ऋतु अनुकूल बिस्तर व कपड़े साथ लाएं। 5. शिविरार्थी दो जोड़ी सफेद सलवार-कमीज, केसरिया दुपट्टा, सफेद पी.टी. शूज व जुराब साथ लाएं। 6. सभी शिविरार्थी 21 मई दोपहर 12 बजे तक शिविर स्थल पर अवश्य पहुंचे।

अपील

इस पुनीत कार्य में आप अपना सहयोग आर्य वीरांगना दल, दिल्ली प्रदेश के नाम नकद/चैक द्वारा तथा भोजन सामग्री जैसे- आटा, दाल, चावल, मशाले, दूध, देशी घी, फल, सब्जियाँ इत्यादि देकर पुण्य के भागी बनें।

निवेदक

शारदा आर्या	आर्या स्नेह भाटिया	आचार्या अमृता आर्या	आर्या सुनीति जावा	लीपिका आर्या
संचालिका	सह-संचालिका	मन्त्राणी	कोषाध्यक्षा	बौद्धिकाध्यक्षा
9971447372	9999642155	8130550191	7838547100	9811203087I

आर्य वीरांगना दल, दिल्ली प्रदेश

जगवीर आर्य	सुन्दर आर्य	बृहस्पति आर्य	जितेन्द्र भाटिया
संचालक	सहसंचालक	महामन्त्री	कोषाध्यक्ष
9810264634	9899008054	9990232164	9811322155

आर्य वीर दल, दिल्ली प्रदेश

संरक्षिका- ब्र० सुमेधा आर्या, वीना आर्या, सुनीति आर्या, डॉ. उमा शशी दुर्गा, पुष्पा महावर, ऊमा मोंगा, माता सोनी जी, सुधा आर्या
सहयोगी बहनें- डॉ. रचना चावला, स्वर्णा आर्या, सरोज पुरंग, पुष्पा पाहुजा, एकता तनेजा, विजय शर्मा जी, गीता झा, विजेता वर्मा, श्रद्धा आर्या
सहयोगी भाई- क्रान्ति तनेजा, एस.के. कोचर, सुभाष आर्य, अशोक गुप्ता जी, हरिओम् बंसल जी, प्रवीण आर्य, विश्वास आर्य

उप-कार्यालय:- आर्य समाज बिरला लाइन्स, कमला नगर, दिल्ली-110007

सार्वदेशिक आर्य वीर दल के तत्वावधान में
विशाल चरित्र निर्माण एवं आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर

स्थान:- गुरूकुल पौंधा, देहरादून **दिनांक:- 5 जून से 20 जून 2017 तक**

अध्यक्षता:- स्वामी देवव्रत सरस्वती (प्रधान सेनापति, सा.दे.आ.वी.द.)

विशेष सूचना:- शिविर में शाखानायक, उपव्यायाम शिक्षक व व्यायाम शिक्षक श्रेणी का ही प्रशिक्षण दिया जायेगा। प्रथम वर्ष आर्यवीर श्रेणी के आर्यवीर प्रान्तिय शिवरों में ही प्रशिक्षण प्राप्त करें।

शिविरार्थियों हेतु निर्देश:-**1.** शिविरार्थियों की आयु 15 वर्ष से अधिक हो। **2.** शिविरार्थी अपने साथ कोई कीमती सामान न लाएं। जैसे- मोबाईल, घड़ी, चेन, ईयरफोन, आईपैड आदि। **3.** शिविरार्थी भोजन के लिए थाली, गिलास, चम्मच, कटोरी, ऋतु अनुकूल बिस्तर साथ लाएं। **4.** शिविर गण्वेश- खाकी निक्कर, सफेद शैंडो बनियान, सफेद पी.टी. जूते, सफेद जुराब, लंगोट, कान तक की लाठी एवं टॉर्च साथ लाएं। **5.** सभी शिविरार्थी 5 जून प्रात: 11 बजे तक शिविर स्थल अवश्य पहुंचे। **6.** सभी शिविरार्थियों का शिविर की दिनचर्या एवं अनुशासन में रहना आवश्यक है। **7.** आवश्यकतानुसार यदि आप कोई विशेष दवाई लेते हैं तो साथ लावें। **8.** शिविरार्थी अपने साथ लाए अधिकतम रुपये शिविर बैंक में जमा करावे जो कि यह जमा राशि शिविर समापन पर ही वापिस दी जाएगी।

आचार्य धनन्जय	सतवीर आर्य	नंदकिशोर आर्य
(शिविर संयोजक)	(महामंत्री)	(प्रधान, व्यायाम शिक्षक)
9411106104	9414789461	9466436220

शिविर की पूर्ण सूचना आगामी मई अंक में दी जायेगी....

''गूँजे यह देश मेरा शेरों की बोलियों से, बिस्मल गुरु भगत सिंह वीरों की टोलियों से''

''युवा निर्माण'' पत्रिका हेतु सदस्य बनें

"युवा निर्माण" पत्रिका के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में योगदान देने हेतु पत्रिका को व्यक्ति-व्यक्ति, घर-घर की आवाज बनाने के लिए इस पत्रिका का वार्षिक सदस्य बनें। वार्षिक शुल्क मात्र 150/- रुपये है।

आवश्यक सूचना

आर्य वीर दल के इतिहास से सम्बन्धित आपके पास कोई लेख/पूर्व स्मृतियाँ हैं जो आर्य वीर दल में आने वाली पीढ़ियों को उसका लाभ पहुँचा सके, वह सब दल के ईमेल- aryaveerdaldelhipradesh@gmail.com या दल के मुख्य कार्यालय पर विषय को टाईप करवाकर भेज सकते हैं। आप वॉइस रिकॉर्डिंग के माध्यम से भी वाट्सऐप पर भेज सकते हैं। वाट्सऐप नं- 9990232164 है।

आर्य वीर दल, दिल्ली प्रदेश का प्रयास है कि पूरे भारत में दल के गणवेश में एकरूपता हो। इस हेतु किसी भी प्रान्त को दल का गणवेश चाहिए तो वह आर्य वीर दल, दिल्ली प्रदेश से सम्पर्क कर सकता है।
सम्पर्क सूत्र : दिनेश आर्य - 9810754638

आर्य वीर दल, दिल्ली प्रदेश अपने कार्यों को दल के website: www.aryaveerdal.org व फेसबुकअकाउंट Arya Veer Dal Delhi Pradesh पर अपलोड करता है। आप सभी आर्य वीर दल, दिल्ली प्रदेश के इन दोनों पेजो से जुड़े व उसको लाईक और शेयर करे।

अनुपम दिनचर्या की प्राप्ति

आर्य जगत् व आर्यवीरों की भारी मांग पर "अनुपम दिनचर्या एवं गीताञ्जलि" संकलनकर्त्ता- श्री दिनेश आर्य द्वारा द्वितीय संस्करण प्रकाशित किया जा चुका है। यह सुन्दर कृति आप आर्य वीर दल, दिल्ली प्रदेश के मुख्य कार्यालय से प्राप्त कर सकते हैं।
सम्पर्क सूत्र- 9810754638, 9990232164

दल को आर्थिक सहयोग देने हेतु-
आर्य वीर दल दिल्ली प्रदेश, कार्पोरेशन बैंक
खाता सं.-210600101005031,
IFSC- CORP0002106
ब्रांच-वसुन्धरा, गाजियाबाद

(संस्था को दी गई दानराशि आयकर की धारा 80जी के अन्तर्गत कर मुक्त है)

आर्य वीर दल दिल्ली प्रदेश, आर्यसमाज मिण्टो रोड, डी.डी.यू.मार्ग, निकट-रणजीत सिंह फ्लाईऑवर, नई दिल्ली-2 से प्रकाशित एवं 10/63 (i) क्रिएटिव प्लैनेट, कीर्ति नगर ओद्यो. क्षेत्र, नई दिल्ली-110015 द्वारा मुद्रित

Email : aryaveerdaldelhipradesh@gmail.com | Web : www.aryaveerdal.org

सम्पादक : जगवीर आर्य 9810264634 | सहसम्पादक : बृहस्पति आर्य 9990232164 | व्यवस्थापक : जितेन्द्र भाटिया 9811322155 | मार्गदर्शक : आचार्य हरिप्रसाद 9871516470

संस्था के समस्त अधिकारी संस्था में अवैतनिक सेवा प्रदान करते हैं

Book-Post

प्रेषित ____________________